लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शनिवार, 29 अगस्त , 2026

वर्ष : 12 । अंक: 5

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

खुश रहना एक कला है, जो इसे सीख लेता है वह हर परिस्थिति में मुस्कुरा सकता है।

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
32°	28°
Hi	Low

संक्षेप

बुलंदशहर रोड एक्सीडेंट: डंपर से टकराई बस, बच्ची समेत 2 की मौत और 24 घायल

बुलंदशहर। बुलंदशहर जिले के थाना खुर्जा नगर क्षेत्र में शुक्रवार तड़के सड़क हादसे में एक बच्ची और एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब साढ़े चार बजे दिल्ली से कानपुर जा रही रोडवेज बस शिकारपुर कट के पास आगे चल रहे डंपर से टकरा गई। हादसे में राधिका (9) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बबली (32) ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना पर जिलाधिकारी कुमार हर्ष और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जानकारी ली। इसके बाद अधिकारियों ने कैलाश अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर उपचार के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि हादसे में 24 लोग घायल हुए हैं। कुछ को सरकारी और कुछ को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को अलीगढ़ रेफर किया गया है।

मनुस्मृति पर बयान देकर फंसे राहुल गांधी, 'माफी मांगे नहीं तो कांग्रेस के बहिष्कार की मुहिम चलाएंगे'

नई दिल्ली, एजेंसी। मनुस्मृति पर दिए बयान को लेकर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब संतों ने भी राहुल का विरोध शुरू कर दिया है। बात कांग्रेस के बहिष्कार तक जा पहुंची है। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गुरुवार को कहा है कि राहुल गांधी बार बार सनातन धर्मग्रंथों का अपमान करते हैं, ऐसा नहीं चलेगा। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा राहुल राजनीतिक नफा नुकसान के हिसाब से धर्मग्रंथों की व्याख्या ना करें। अगर उन्हें कोई आपत्ति है तो वो पहले धर्माचार्यों के पास जाएं, सही अर्थ समझें, तब ही कुछ बोले। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा- 'भाजपा वाले कितने समय से मांग करते हैं कि रक्षा बंधन का त्योहार आता है, राहुल गांधी कभी तो अपनी बहन से कलाई में राखी बंधवाते, उसकी रक्षा का वचन दिखा दो, आज तक ऐसा दिखाई दिया? कहते हैं स्वतंत्र कर दो, कैसे स्वतंत्र कर दें, अभी-अभी कोई बच्ची पैदा हुई, कोई पिता कैसे उसे स्वतंत्र कर सकता है? कोई विवाहित युवती भी है तो उसका पति क्या उसे उसके हाल पर छोड़ देगा, कि तुम अपनी रक्षा स्वयं करो? क्या किसी विपत्ति में वह अपनी पत्नी को छोड़ देगा कि अपनी रक्षा खुद करो क्योंकि तुम स्वतंत्र हो? ये कोई बात हुई? कहते हैं आकाश में उड़ो, आकाश में तो तब उड़ेगी जब उसकी रक्षा होगी। सबसे पहला प्रश्न रक्षा का है जो कि नहीं हो पा रही है। उस रक्षा के लिए अगर मनु आदेश कर रहे हैं तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए। जब स्त्रियां बूढ़ी हो जाएंगी तो उनका भरन-पोषण कौन करेगा? मनु महाराज पुत्र को आदेश कर रहे हैं कि मां का रक्षा का दायित्व तुम्हारा है तो इसमें क्या खराबी है? बेटा मां के रक्षा का दायित्व निभाए। इतनी सी बात इनको समझ में नहीं आती।

पीएम मोदी ने जेन अल्फा के साथ मनाया रक्षाबंधन, राहुल गांधी ने प्रियंका संग फोटो शेयर कर दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षाबंधन के त्योहार पर देश में उत्सव का माहौल देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों के साथ यह पर्व मनाया और उनसे राखी बंधवाई। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ तस्वीर शेयर करके देशवासियों को रक्षाबंधन की बधाई दी।

रक्षाबंधन का त्योहार हर साल भाई और बहन के रिश्ते को समर्पित होता है। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई उनकी रक्षा करने का वादा करते हैं। इस बार भी यह पर्व पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस खास मौके पर बच्चों से मुलाकात की। बच्चों ने उन्हें राखी बांधी और उनके साथ खुशी के पल साझा किए। प्रधानमंत्री का बच्चों के साथ यह जुड़ाव हर साल की तरह इस बार भी लोगों का ध्यान खींचने वाला रहा। उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए।

इसी तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाया। उन्होंने बच्चों से राखी बंधवाई और उनके साथ समय बिताया। मुख्यमंत्री के इस अंदाज ने भी लोगों का दिल जीत लिया, क्योंकि वे अक्सर बड़े नेताओं को त्योहारों पर आम लोगों और बच्चों से जुड़ते हुए देखना पसंद करते हैं। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इस त्योहार को खास अंदाज में मनाया। उन्होंने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने देश की सभी बहनों और भाइयों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उनके इस पोस्ट को भी लोगों ने खूब पसंद किया और कई लोगों ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। कुल मिलाकर रक्षाबंधन का यह त्योहार राजनीति से ऊपर उठकर भाई बहन के प्यार और अपनेपन का प्रतीक बनकर सामने आया। बड़े नेताओं से लेकर आम लोगों तक, हर किसी ने इस दिन को अपने अपने अंदाज में मनाया और एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

राहुल गांधी के दबाव में पीएम मोदी ने किया मुफ्त कोचिंग का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को केंद्र सरकार की डिजिटल कोचिंग पहलों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्राइवेट ट्यूशन पर परिवारों के बढ़ते खर्च के बारे में हाल ही में किए गए खुलासों के कारण केंद्र सरकार को जल्दबाजी में डिजिटल शिक्षा पहल की घोषणा करनी पड़ी। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर एक पोस्ट में मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में नाकामी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारतीय परिवार कोचिंग सेंटरों पर उससे कहीं ज़्यादा खर्च कर रहे हैं जितना भारत सरकार शिक्षा पर निवेश करती है। उन्होंने लिखा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 17 जून 2026 को कोटा में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शिक्षा से जुड़े आज के सबसे अहम मुद्दों में से एक उठाया।

पीएम की रेस में अभिजीत दिपके ने अरविंद केजरीवाल को पछाड़ा, बढ़ी सीजेपी की ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। 'इंडिया टुडे-सीवोटर मूड ऑफ़ द नेशन' सर्वे के अनुसार, आम आदमी पार्टी के एक पूर्व कार्यकर्ता, जिन्होंने बाद में 'कॉकरोच जनता पार्टी' बनाई, प्रधानमंत्री पद के लिए अपनी पसंद के मामले में अब अपने पूर्व बॉस अरविंद केजरीवाल से आगे निकल गए हैं। CJP के संस्थापक और संयोजक अभिजीत दिपके प्रधानमंत्री पद के लिए AAP प्रमुख केजरीवाल की तुलना में ज़्यादा पसंद किए जाने वाले उम्मीदवार के तौर पर उभरे हैं; ताज़ा MOTN सर्वे में दिपके को 1.3% और केजरीवाल को 1.2% समर्थन मिला है। भले ही अंतर सिर्फ़ 0.1 प्रतिशत अंक का हो, लेकिन इसके राजनीतिक मायने साफ़ हैं। दिपके, जिन्होंने 2020 से 2023 तक केजरीवाल के नेतृत्व में AAP की कम्युनिकेशन टीम के साथ काम किया था, हाल के महीनों में एक पॉलिटिकल कम्युनिकेशन प्रोफेशनल से बदलकर युवाओं के दबाव वाले आंदोलन का चेहरा बन गए हैं। दिपके का कद अब उस व्यक्ति से थोड़ा आगे निकल गया है, जिसके लिए उन्होंने कभी काम किया था; यह बात तब सामने आई जब लोगों से पूछा गया कि उनके हिसाब से भारत का अगला प्रधानमंत्री बनने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति कौन है। 'मूड ऑफ़ द नेशन' साल में दो बार होने वाला एक सर्वे है, जिसे इंडिया टुडे ग्रुप पिछले लगभग दो दशकों से करवा रहा है। अगस्त 2026 का सर्वे CVoter ने किया था, जिसमें 1 जुलाई से 25 अगस्त के बीच 25,184 लोगों का सीधा सर्वे किया गया। अगस्त 2026 के 'मूड ऑफ़ द नेशन' के नतीजे तैयार करने के लिए CVoter की रेगुलर ट्रैकिंग के तहत पिछले छह महीनों में किए गए 91,795 इंटरव्यू का भी इस्तेमाल किया गया। हालांकि, मुख्य दावेदारों की तुलना में दिपके का 1.3% का आंकड़ा काफी कम है, लेकिन केजरीवाल के आंकड़ों के साथ तुलना करने पर उनकी स्थिति काफी अहम हो जाती है।

अखिलेश यादव का भाजपा पर तीखा हमला, सवालों से डरती है सरकार, नहीं चाहती कि गरीब शिक्षित होकर सत्ता को चुनौती दें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (SP) के प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी 'सवालों से डरती है' और नहीं चाहती कि गरीब लोग शिक्षित और सशक्त बनें। शिक्षा के मुद्दे पर बात करते हुए यादव ने पत्रकारों से कहा कि BJP नहीं चाहती कि गरीब लोग शिक्षित हों, क्योंकि शिक्षा नागरिकों को सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने के काबिल बनाती है। वे नहीं चाहते कि कोई शिक्षा हासिल करे। सामंती सोच वाले लोग, बहुसंख्यकवादी सोच वाले लोग और ताकतवर लोग नहीं चाहते कि गरीब शिक्षित हों, क्योंकि अगर कोई गरीब व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह उनसे सवाल पूछेगा, और वे सवालों से डरते हैं।

बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा बीजेपी के लोग सवालों से सबसे ज़्यादा डरते हैं, और जो कोई भी सवालों से डरता है, वह लोकतंत्र और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान को कमज़ोर करता है। यादव ने पार्टी पर इतिहास से छेड़छाड़ करने और पाठ्यपुस्तकें बदलने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, इतिहास बदला जा रहा है, किताबें बदली जा रही हैं, पुराने महान लोगों के अध्याय हटाए जा रहे हैं और RSS अपनी पसंद के महान लोगों को किताबों में शामिल कर रहा है। तो वे क्या दिखाना चाहते हैं? वे देश का इतिहास बदलना चाहते हैं। बीजेपी को देश के लिए एक बड़ी चुनौती बताते हुए SP प्रमुख ने कहा, ₹देश में सिर्फ़ एक ही संकट है, और वह है भारतीय जनता पार्टी। भारतीय जनता पार्टी ही संकट है; एक बार बीजेपी हट जाए, तो सारे संकट खत्म हो जाएंगे।

यादव ने यह भी सवाल उठाया कि क्या बीजेपी सरकार के फैसलों से आम लोगों को कोई फ़ायदा हुआ है। उन्होंने कहा देश की जनता... और भारतीय जनता पार्टी ने अब तक जो भी फ़ैसले लिए हैं, क्या वे जनता के हित में रहे हैं? विकास और जन-सुविधाओं के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए यादव ने आरोप लगाया कि इटावा और सफ़ाई में चल रही परियोजनाओं को नज़रअंदाज़ किया गया। उन्होंने आरोप लगाया, ₹इटावा की बात करें तो उन्होंने लायन सफ़ारी को बर्बाद कर दिया। उनके विधायकों और मंत्रियों ने ज़मीन पर कब्ज़ा कर रखा है, और वे इस बारे में कोई बात नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बीजेपी सरकार पर शिक्षण संस्थानों और जन-सुविधाओं को ठीक से न रख पाने का भी आरोप लगाया।

बाबा रामदेव ने कंगना बहन को भेजा गिफ्ट और मिठाई, कहा–फोन लगाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। हरिद्वार में योग गुरु बाबा रामदेव ने एक ऐसा संदेश दिया है, जिसने राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में चलने वाले विवादों के बीच संवाद की जरूरत को फिर सामने ला दिया है। रामदेव ने कहा कि वह अपनी 'बहन' कंगना रनौत के लिए पोस्ट के जरिए से मिठाई और एक गिफ्ट भेज रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि देश में किसी भी वजह से नफरत और एक-दूसरे के प्रति दुश्मनी नहीं होनी चाहिए। उनके इस बयान को कंगना रनौत के साथ अपने मतभेदों को खत्म करने की पहल के तौर पर देखा जा रहा है।

रामदेव का यह बयान ऐसे समय आया है जब सार्वजनिक जीवन में अलग-अलग मुद्दों को लेकर नेताओं और चर्चित हस्तियों के बीच बयानबाजी अक्सर विवाद का रूप ले लेती है। ऐसे में मिठाई भेजने और बातचीत की पहल करने का संदेश आपसी रिश्तों में नरमी लाने की कोशिश के तौर पर सामने आया है। बाबा रामदेव ने कहा कि वह कंगना रनौत को मिठाई और उपहार डाक के जरिए भेज रहे हैं। उन्होंने अपने संदेश में देश में नफरत और आपसी दुश्मनी खत्म करने की बात कही।

'विवाद को संवाद से खत्म करें'

बाबा रामदेव ने कहा, 'बहन कंगना रनौत को गिफ्ट और मिठाई हम बाई पोस्ट भेज रहे हैं। किसी भी वजह से देश में नफरत नहीं होनी चाहिए और न ही एक दूसरे के प्रति बैर की भावना होनी चाहिए। इसलिए हमने बैर का परित्याग कर दिया है। पिछले दिनों एक विवाद उठा था कि स्वामी रामदेव और कंगना के बीच कहीं विवाद तो नहीं हो गया है। इस विवाद को संवाद से खत्म करें और आज हम बहन कंगना को फोन भी करेंगे और उनको बोलेंगे कि बहन कंगना रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं।'

चल रही है तीखी बयानबाजी

बाबा रामदेव और कंगना रनौत के बीच पिछले दिनों एक मुद्दे को लेकर तीखी बयानबाजी हुई थी। कंगना ने युवाओं को लेकर 'जनरेशन गटर' टिप्पणी की थी, जिस पर रामदेव ने आपत्ति जताई और उनके बयान पर सवाल उठाए। इसके बाद कंगना ने सोशल मीडिया पर रामदेव को जवाब देते हुए उनकी टिप्पणियों को मर्यादा के खिलाफ बताया।

सरकारी शिक्षकों को RSS के पथ संचलन में शामिल होना पड़ा भारी, कर्नाटक सरकार ने 2 को किया सस्पेंड

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के यादगीर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के पथ संचलन (रैली) में भाग लेने के आरोप में शिक्षा विभाग ने दो सरकारी स्कूल के शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया गया है। शिक्षा विभाग के अनुसार, दोनों शिक्षकों पर कर्नाटक सिविल सर्विस नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है।

सस्पेंड किए गए शिक्षकों में यादगीर जिले के हुनसगी स्थित सरकारी बालिका उच्च विद्यालय में सहायक शिक्षक गुरुराज जोशी और सुरपुर तालुका के कुप्पी स्थित सरकारी निम्न प्राथमिक विद्यालय में हेडमास्टर अन्ना साहेब देशमुख शामिल हैं।

दोनों शिक्षकों पर अलग-अलग जगह हुए RSS मार्च में शामिल होने का आरोप है। विभाग ने उनके इस कदम को कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 का उल्लंघन और कर्तव्य की अवहेलना मानते हुए विभागीय जांच लंबित रहने तक निलंबन की कार्रवाई की है।

शिक्षक गुरुराज जोशी पर क्या है आरोप?

मामले की कार्यवाही के मुताबिक, सहायक शिक्षक गुरुराज जोशी ने 12 अक्टूबर 2025 को विजयपुरा जिले के तालिकोटी में आयोजित आरएसएस के पथ संचलन में भाग लिया था। इस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति की एक तस्वीर कन्नड़ समाचार पत्र 'विजया कर्नाटक' में प्रकाशित हुई थी।

भारत खरीदेगा दुनिया का सबसे खतरनाक एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम 'जैवलिन'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने युद्ध के मैदान में परखे जा चुके अमेरिकी जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम को खरीदने की योजना बनाई है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह कदम दुश्मन के बख्तरबंद वाहनों का सामना करने की भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता को और मजबूत कर सकता है। यह प्रस्तावित खरीद भारत के शस्त्रागार में एक अत्यधिक मोबाइल और सटीक मारक क्षमता वाले एंटी-आर्मर हथियार को जोड़ेगी। भारत सरकार यह कदम ऐसे समय में उठा रहा है जब वह वाशिंगटन के साथ अपने रक्षा सहयोग का लगातार विस्तार कर रहा है और अपनी सैन्य क्षमताओं में विविधता ला रहा है।

जैवलिन मिसाइल सिस्टम क्यों है खास?

जैवलिन एक मैन-पोर्टेबल और कंधे से दागी जाने वाली एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है, जिसे अमेरिकी रक्षा कंपनियों लॉकहीड मार्टिन और आरटीएक्स ने विकसित किया है। इसे इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि इन्फैंट्री की टुकड़ियां किसी बड़े एंटी-टैंक प्लेटफॉर्म पर निर्भर हुए बिना ही दुश्मन के बख्तरबंद वाहनों पर हमला कर सकें। इसकी सबसे प्रमुख विशेषताओं में से एक इसकी दागो और भूल जाओ क्षमता है। एक बार मिसाइल लॉन्च होने और लक्ष्य के लॉक हो जाने के बाद, ऑपरेटर को इसे लगातार गाइड करने की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे सैनिकों को मिसाइल दागने के तुरंत बाद अपनी जगह से सुरक्षित हटने का मौका मिल जाता है। यह मिसाइल टैंकों पर ऊपर से भी हमला कर सकती है, जिसे टॉप-अटैक फीचर कहा जाता है। यह सुविधा बख्तरबंद वाहन के ऊपरी और सबसे कमजोर हिस्से पर अचूक वार करने की क्षमता देती है। इसके अलावा, इसे कुछ विशिष्ट लक्ष्यों के खिलाफ डायरेक्ट-अटैक मोड में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

युद्ध के मैदान में परखा गया एंटी-आर्मर हथियार

जैवलिन का युद्धों में बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया है और बख्तरबंद वाहनों के खिलाफ अपनी प्रभावशीलता के लिए इसने काफी नाम कमाया है। युद्ध के मैदान में इसके इस्तेमाल, विशेषकर यूक्रेन में, ने आधुनिक युद्ध में पोर्टेबल एंटी-टैंक हथियारों के महत्व को उजागर किया है। भारत के लिए, यह सिस्टम स्वदेशी और आयातित एंटी-टैंक हथियारों के मौजूदा जखीरे के साथ-साथ एंटी-आर्मर क्षमता की एक और परत प्रदान कर सकता है। भारत की लंबी और कठिन सीमाओं को देखते हुए यह अधिग्रहण भारतीय थल सेना के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है, जहां मोबाइल इन्फैंट्री इकाइयों को दुश्मन के बख्तरबंद खतरों पर तेजी से प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता पड़ सकती है।

भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों को बढ़ावा

यह प्रस्तावित खरीद ऐसे समय में सामने आई है जब भारत और अमेरिका अपने रक्षा और रणनीतिक सहयोग को और गहरा करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि दोनों देशों ने अभी तक इस प्रस्तावित खरीद में मिसाइलों की संख्या या सौदे की कीमत का खुलासा नहीं किया है, लेकिन भारत की पैदल सेना की एंटी-आर्मर क्षमताओं को मजबूत करने के संदर्भ में जैवलिन पर पहले भी चर्चा हो चुकी है। यह कदम न केवल भारतीय सेना को एक उन्नत अमेरिकी एंटी-टैंक सिस्टम तक पहुंच प्रदान करेगा, बल्कि संभावित रूप से दोनों देशों के बीच घनिष्ठ रक्षा-औद्योगिक सहयोग के अवसर भी पैदा करेगा।

राहुल गांधी और सोनिया पर डीपफेक वीडियो पोस्ट करने वाले दो X खातों पर केस

हैदराबाद। हैदराबाद की साइबर अपराध पुलिस ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को निशाना बनाकर अश्लील डीपफेक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में 'एक्स' के दो खाताधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। तेलंगाना कांग्रेस पार्टी से विधानपरिषद के सदस्य (एलएलसी) वेंकट बालमूर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के इन अकाउंट पर ऐसे अश्लील 'डीपफेक' वीडियो पोस्ट किए गए हैं जिनमें कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ-साथ पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को निशाना बनाया गया है। आरोप है कि ये पोस्ट 'भारत मैट्रिक्स' (ऐट एक्स भारत) और 'भास्कर शास्त्री' (ऐट भाजोस 1एस97051) नाम के अकाउंट्स से साझा किए गए थे।

बरेली में कैसे बेकाबू हो गई महिलाओं की भीड़? एक की मौत, कई घायल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली क्लब में मेयर उमेश गौतम की ओर से आयोजित सामूहिक रक्षाबंधन कार्यक्रम में गुरुवार को भारी भीड़ के चलते अफरा-तफरी मच गई। गर्मी और उमस के बीच धक्का-मुक्की में कई महिलाएं बेहोश और घायल हो गईं। एक महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान मधु सिंह के रूप में हुई है। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई से इनकार किया है।

कैंट थाना क्षेत्र स्थित बरेली क्लब में बीजेपी मेयर डॉ। उमेश गौतम की ओर से सामूहिक रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं को आमंत्रित किया गया था। आयोजकों की ओर से करीब 20 हजार से अधिक महिलाओं के पहुंचने का दावा किया गया। सुबह करीब 10 बजे से ही महिलाओं का कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना शुरू हो गया था।

करीब 11 बजे तक मैदान में भारी भीड़ जमा हो गई। भीषण गर्मी और उमस के बीच लगातार बढ़ती भीड़ के कारण कुछ देर बाद स्थिति बिगड़ने लगी।

धक्का-मुक्की में कई महिलाएं बेहोश

कार्यक्रम में महिलाओं से राखी बंधवाने के लिए पहले से कूपन बांटे गए थे। बड़ी संख्या में महिलाएं अपने बच्चों और बुजुर्ग परिजनों के साथ पहुंची थीं। भीड़ बढ़ने के बाद मैदान में जगह कम पड़ गई और महिलाएं बैरिकेडिंग पार कर मंच की ओर जाने लगीं। इसी दौरान धक्का-मुक्की शुरू हो गई। कई महिलाएं गिर गईं। कुछ गर्मी व भीड़ के दबाव के कारण बेहोश हो गईं। मौके पर मौजूद एंबुलेंस की मदद से बेहोश और घायल महिलाओं को कार्यक्रम स्थल से बाहर ले जाया गया।

महिला की हालत बिगड़ी, अस्पताल में मौत

कार्यक्रम के दौरान एक महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान मधु सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गर्मी और उमस के कारण मधु सिंह की हालत बिगड़ी थी। हालांकि, उनकी मौत की पूरी वजह पोस्टमार्टम या चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस कार्रवाई को लेकर परिजनों ने फिलहाल इनकार किया है।

करीब पांच मिनट तक भीड़ में दब गई थी बच्ची

कार्यक्रम में मौजूद एक बुजुर्ग महिला ने भीड़ की स्थिति को लेकर अपनी आपबीती बताई। उनका कहना था कि भीड़ में एक बच्ची दब गई थी। करीब पांच मिनट तक दबे रहने के बाद उसे बाहर निकाला गया। इस दौरान बच्ची के हाथ-पैर में चोट आई। एक अन्य महिला ने बताया कि भीड़ के बीच धक्का-मुक्की इतनी ज्यादा थी कि लोग एक-दूसरे पर गिर रहे थे। उसका कहना था कि महिलाओं के साथ बच्चों को भी काफी परेशानी हुई और कई लोग घायल हो गए।

जान बचाकर बाहर निकलना पड़ा

भुता क्षेत्र से कार्यक्रम में पहुंची एक महिला ने बताया कि जब वह मंच की तरफ जाने की कोशिश कर रही थी तो भीड़ में किसी ने उनका हाथ खींच लिया। धक्का-मुक्की के दौरान उनकी चप्पल और पैरों में पहनी बिछिया तक निकलकर गिर गई। महिला के मुताबिक, भीड़ का दबाव इतना ज्यादा था कि उन्हें किसी तरह अपनी जान बचाकर कार्यक्रम स्थल से बाहर निकलना पड़ा। वहीं, बच्चे को गोद में लेकर पहुंची एक महिला ने बताया कि पीछे से भीड़ का दबाव अचानक बढ़ गया। वह अपने बच्चे को सीने से लगाए खड़ी थी। दबाव बढ़ने पर बच्चा हाथ से नीचे गिरते-गिरते बचा। उनकी सास को भी भीड़ ने धक्का दे दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गईं।

बच्चे भीड़ में बिछड़े, लगातार हुआ अनाउंसमेंट

भारी भीड़ के बीच कुछ बच्चों के अपने परिजनों से बिछड़ने की बात भी सामने आई। कार्यक्रम स्थल पर लाउडस्पीकर के जरिए लगातार बच्चों और उनके परिजनों के बारे में अनाउंसमेंट कराया गया। मैदान में कई जगह टूटी चूड़ियां, चप्पल और अन्य सामान भी बिखरा नजर आया। इससे कार्यक्रम के दौरान बने हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है।

उपहार बांटने के दौरान भी बढ़ा दबाव

कार्यक्रम में महिलाओं को उपहार भी बांटे जा रहे थे। उपहार लेने के दौरान भी भीड़ का दबाव और बढ़ गया। महिलाओं में उपहार लेने की होड़ के बीच कई जगह धक्का-मुक्की हुई। कुछ महिलाओं ने आरोप लगाया कि इसी दौरान उनके मोबाइल फोन, पर्स में रखी नकदी और गले की चेन चोरी हो गई। हालांकि, इन आरोपों की पुलिस की ओर से अभी पुष्टि नहीं की गई है।

कार्यक्रम की व्यवस्था पर उठे सवाल

कार्यक्रम में शामिल नीलिमा समेत कई महिलाओं ने आयोजन की व्यवस्था पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि जब इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को बुलाया गया था तो भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त इंतजाम होने चाहिए थे। महिलाओं ने गर्मी और उमस के बीच पानी, सुरक्षित रास्ते और भीड़ नियंत्रण की बेहतर व्यवस्था नहीं होने पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि त्योहार के कार्यक्रम में परिवार और बच्चों के साथ पहुंचना मुश्किल हो गया। घटना के बाद कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल घायल महिलाओं को किस-किस अस्पताल में भर्ती कराया गया, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, कार्यक्रम में अव्यवस्था और एक महिला की मौत के मामले में मेयर डॉ। उमेश गौतम की ओर से भी बयान नहीं आया है।

भाई को राखी बांधने जा रही युवती की सड़क हादसे में मौत

आर्यावर्त संवाददाता

होलागढ़ (प्रयागराज)। स्थानीय थाना क्षेत्र में रक्षाबंधन से पहले एक दर्दनाक हादसा हो गया। मैरी दुबान गांव निवासी विनय कुमार द्विवेदी अपनी पत्नी शालिनी द्विवेदी को बुलेट से कल्याणपुर स्थित उसके मायके भाई को राखी बंधवाने जा रहे थे। शालिनी के पिता दिनेश कुमार मिश्र सोरांव थाने में पीआरवी 112 में चालक के पद पर तैनात हैं।

बताया गया कि रामगढ़ प्राथमिक विद्यालय के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शालिनी ट्रैक्टर की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि पति विनय को हल्की चोटें आईं।

परिजन आनन-फानन में उसे स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने शालिनी को मृत

घोषित कर दिया। पुलिस ट्रैक्टर व चालक को कब्जे में लेकर होलागढ़ थाने ले आई है। शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा।

मृतका छह बहनों में सबसे बड़ी थी। उसकी शादी आठ वर्ष पूर्व विनय से हुई थी। दंपति के एक बेटा और एक बेटी है। विनय बाहर रहकर प्राइवेट नौकरी करता है। घटना से परिवार में मातम छा गया है।

बहनों ने बांधी राखी, भाइयों ने लिया सुरक्षा और सम्मान का संकल्प

फतेहपुर। विकासखंड तेलियानी क्षेत्र के खंभापुर स्थित सरस्वती मां विद्या मंदिर में रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छात्राओं ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके सुखद, स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं भाइयों ने बहनों की रक्षा और सम्मान का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने रक्षाबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्राओं ने भाइयों को तिलक लगाकर राखी बांधी और मिठाई खिलाई। इसके बाद भाइयों ने बहनों को उपहार देकर स्नेह व्यक्त किया। प्रधानाध्यापक अमित कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास, सम्मान और जिम्मेदारी के मजबूत रिश्ते का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ उनमें भाईचारा और संस्कार की भावना विकसित होती है।

छ दिन की बेटी की माँ ने फांसी लगा कर दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

कोराँव(प्रयागराज)। थाना कोराँव अंतर्गत ग्राम सभा अल्हवा निवासी पोस्ट आफिस महुली के पोस्ट मास्टर जितेंद्र सिंह की पत्नी नीलाछी सिंह ने बीती रात करीब बारह बजे साड़ी का फंदा बना कर कमरे का दरवाजा बंद कर झूल गईं, परिजनों ने दरवाजा तोड़ कर देखा तो जीवित्त थी,तत्काल घर वाले अस्पताल ले गये जहाँ रास्ते मैं मौत हो गईं! डाक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कऱ दिया, मौके पर पुलिस पहुँच कर लाश को कब्जे मैं लिया और पोमा के लिए कार्यवाही की!

बता दें कि जितेंद्र सिंह पुत्र स्वर्गीय अशोक कुमार सिंह ठाकुर चौहान की शादी पिछले साल जून माह मैं ग्राम कोनिया खुर्द थाना सोहागी मध्य प्रदेश नीलाछी सिंह 20 वर्ष के साथ हुईं थी!, 21 अगस्त 2026 को मृतका को नैनी प्रयागराज के एक अस्पताल मैं ऑपरेशन से एक बच्ची भी पैदा हुईं थी, जिसका स्वागत हेतु राखी त्यौहार पर छठी का कार्यक्रम निश्चित था, किन्तु मृतका जो स्वभाव से जिद्दी किस्म की बताई जाती थी वह पति से आये दिन अलग रहने को ज़िद करतीं थी,पति का कहना था कि विधवा माँ को किसके सहारे छोड़ कर अलग रहूँ, ! रात इसी बात से नाराज मृतका ने दरवाजा बंद कर घटना को अंजाम दे दिया। मायके वालों से मृतका के भाई आशीष सिंह ने थाना कोराँव मैं ससुराल वालों के विरुद्ध तहरीर दी है,शैलेन्द्र सिंह थाना इंस्पेक्टर कोराँव ने घटना स्थल पहुँच कर मायके वालों की उपस्थिति मैं जांच पड़ताल की और लाश को पोमा के लिए भेज़ दिया तथा एक्सपर्ट टीम ने भी अपनी कार्यवाही की! फिलहाल मृतका के पति ने 1076 पर फोन क़रके घटना की सूचना दी है और ऑन लाइन भी रिपोर्ट की! बृजेश पाठक ए सी पी मेजा ने घटना स्थल का निरिक्षण किया, और परिजनों से घटना के बारे मैं जानकारी ली।

राजनीतिक दोराहे पर खड़ा है सवर्ण समाज– प्रेमशंकर शुक्ल

आर्यावर्त संवाददाता

मेजा (प्रयागराज)। देश का सवर्ण समाज इस वक्त राजनीतिक दोराहे पर खड़ा है।मोदी सरकार के हर फैसले ने अगड़ी जाति के अधिकारों को सीमित किया है। यूजीसी कानून से उन्होंने समाज की पीढ़ियों को भी नहीं बख्शा।आरक्षण व्यवस्था लाइलाज बीमारी बन चुकी है। मेजा के पूर्व प्रमुख प्रेमशंकर शुक्ल मुन्नन ने कहा कि जिस राजनीतिक पार्टी को अगड़ों ने खाद,पानी देकर मजबूत किया और जिन्हें कंधे पर बैठकर उन्हें सौंप दी,उसी दल ने अगड़े समाज और युवाओं के भविष्य पर यैसा चाबुक चलाया है,जिसकी चोट से हमारी पीढ़यि भी कराहेंगी।

श्री रामचंद्र शुक्ल संकल्प संस्था के सचिव व पूर्व प्रमुख मेजा मुन्नन शुक्ल ने कहा कि सवर्ण समाज को हाशिए पर डालने वाले मोदी सरकार के हथकंडे से स्वर्ण समाज कराह रहा है। लगातार तीन बार नरेंद्र मोदी को देश की सत्ता सौंपकर अपने ही निर्णय को कोस रहा है। श्री शुक्ल ने समाज के भरोसे पर भाजपा ने विश्वासघात किया है, उसकी वजह से समाज खुद से सवाल कर रहा है।जिस पर आंख मूंदकर भरोसा किया, उसी ने सारे रास्ते पर यूजीसी, आरक्षण, एससी /एसटी जैसी बाड़ लगाकर सारे रास्ते बंद कर दिए। पूर्व प्रमुख एवं भाजपा नेता ने कहा कि हर मुंह से एक ही आवाज निकल रही है कि, जाएं तो जाएं कहाँ। श्री शुक्ल ने कहा कि समाज में एक चर्चा सबसे अधिक है कि आखिर यदि वर्तमान सरकार को हटाया जाए तो फिर विकल्प क्या है।सत्ता किसे सौंपे, जिससे देश समाज का हित हो। निश्चित रूप से यह बहुत ही विचारणीय विषय है और हमेशा जब लोग किसी भी सरकार से चोट खाते हैं या ठगे जाते हैं तो ऐसा ही होता है।कांग्रेस ने नेहरू से लेकर इंदिरा कार्यकाल में सिर्फ सवर्ण समाज ही नहीं पूरे हिंदू समाज पर आघात किया।उनके एजेंडे को ध्वस्त कर बहु संख्यक हिंदुओं ने उन्हें उखाड़ फेंका।श्री शुक्ल ने कहा कि समाज में देश की दशा और दिशा तय करने की कुबत मौजूद है। पूर्व प्रमुख श्री शुक्ल ने कहा कि रही बात सनातन और सवर्ण समाज की तो,हमने मुगलों से लड़ाई में लाखों सर कटवाए हैं और उन्हें करारा जवाब भी दिया है। संघर्ष की वजह से हम आज भी अस्तित्व में हैं। कांग्रेस, सपा या कोई और भी दल सत्ता में आकर भी हमें और हमारी धर्म संस्कृति को मिटा सके, ऐसी किसी में हैसियत नहीं है। सच्चाई तो यह है कि सत्ता से धर्म का संरक्षण संवर्धन न कभी हुआ है न कभी होगा।

पहले कोल्डड्रिंक पिलाकर बनाया शिकार, फिर मित्र संग सोने का बनाने लगा दबाव ; एक दर्द और दिया

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। यूपी के हापुड़ थाना देहात क्षेत्र के दोयमी रोड स्थित एक मोहल्ला निवासी महिला से 20 जनवरी 2026 को नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर पति के दोस्त ने दुष्कर्म कर वीडियो बना ली। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी कई बार दुष्कर्म कर महिला से डेढ़ लाख रुपये ऐंठ चुका है। अब आरोपी अपने एक दोस्त से शारीरिक संबंध बनाने का महिला पर लगातार दबाव भी बना रहा था। पुलिस ने महिला की तहरीर पर दो नामजद व्यक्तियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

महिला ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनके पति का दोस्त गांव असौड़ा निवासी शरीफ मेरठ रोड स्थित मोहल्ला आवास विकास में सब्जी की दुकान करता है। पति का दोस्त होने के कारण उसका उनके घर भी आना जाना था। 20 जनवरी 2026 को उनके पति घर पर मौजूद नहीं थे और

वह अकेली थी। आरोप है कि आरोपी नशीली कोल्डड्रिंक लेकर उनके घर पहुंचा और उन्हें पिला दी। इसके बाद वह बेहोश हो गई और आरोपी ने उनके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने नग्न अवस्था में उनकी वीडियो व फोटो भी खींच लिए। आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार उनके साथ दुष्कर्म किया और ब्लैकमेल कर उनसे डेढ़ लाख रुपये भी ऐंठ लिए।

अब अपने दोस्त के साथ संबंध बनाने को कर रहा मजबूर

अब आरोपी उन पर अपने एक दोस्त अमन चौधरी उर्फ मूले से शारीरिक संबंध बनाने व दो लाख रुपये और देने का लगातार दबाव बनाता आ रहा है। ऐसा न करने पर आरोपी व उसके दोस्त उनके पति को जान से मारने व उनकी वीडियो वायरल करने की धमकी भी देता आ रहा है। इससे उनका व उनके पति का घर से निकलना दूभर हो गया है।

शरीफ और अमन चौधरी पर मामला दर्ज

सीओ अनीता चौहान ने बताया कि महिला की तहरीर पर शरीफ व अमन चौधरी उर्फ मूले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी शरीफ को ततारपुर चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब आरोपी अमन चौधरी उर्फ मूले की तलाश कर रही है।

'ईंधन आपूर्ति बंद या एयर फ्लेम सिस्टम फेल?', विशेषज्ञ लगा रहे हैं कयास, नहीं होता पैराशूट

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर में इटली की टेक्नाम कंपनी का टेक्नो पी2006टी विमान गुरुवार को हादसे में क्षतिग्रस्त हुआ है। यह विमान दुनिया का सबसे हल्का और किफायती दो इंजन वाला है। इसका उपयोग मुख्य रूप से वाणिज्यिक पायलटों के प्रशिक्षण और निजी यात्राओं के लिए किया जाता है। गर्ग एविएशन में इस विमान से प्रशिक्षण दिया जा रहा था।

इसमें पैराशूट नहीं होता है। वहीं, एविएशन क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि डीजीसीए की जांच रिपोर्ट के बाद ही हादसे की तस्वीर साफ होगी। हालांकि, इंजन में ईंधन आपूर्ति बंद होने या एयर फ्लेम कंट्रोल सिस्टम में गड़बड़ी हादसा की वजह हो सकती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, टेक्नो पी2006टी में रोटैक्स 912 सीरीज के दो लिक्विड-कूल्ड इंजन लगे होते हैं।

तब विमान की कंट्रोलिंग नहीं हो पाती है

इस स्थिति में विमान हादसे के दो बड़े कारण हो सकते हैं। पहला यह कि दोनों इंजनों में ईंधन की आपूर्ति बाधित हो गई। इंजन बंद होने से विमान हवा में ही रुक गया और क्रैश होकर नीचे आ गिरा। दूसरा कारण यह हो सकता है कि विमान के एयर फ्लेम सिस्टम में कोई तकनीक कमी आ गई। इस सिस्टम के काम न करने से विमान की कंट्रोलिंग नहीं हो पाती है।

सबसे कम ईंधन खपत करता है

प्रत्येक इंजन 100 हॉर्स पावर की शक्ति का होता है। यह विमान अपनी श्रेणी में सबसे कम ईंधन खपत करता है। इसके दोनों इंजन मिलकर प्रति घंटा 34 से 38 लीटर ईंधन खाते हैं। यह कई एकल इंजन विमानों के बराबर है। यह पारंपरिक एविएशन ईंधन के साथ-साथ सामान्य कारों में इस्तेमाल होने वाले सीसा रहित पेट्रोल पर भी उड़ सकता है।

उड़ान भार 1,180 से 1,230 किलोग्राम के बीच

इससे इसकी परिचालन लागत बेहद कम हो जाती है। यह दुनिया का सबसे हल्का प्रमाणित दो इंजन वाला नागरिक विमान है। इसका अधिकतम उड़ान भार 1,180 से 1,230 किलोग्राम के बीच होता है। विमान में एक पायलट और तीन यात्रियों सहित कुल चार सीटें होती हैं। इसके ऊपरी पंख डिजाइन से पायलट और यात्रियों को नीचे और बाहर का स्पष्ट दृश्य मिलता है।

सिकुड़ने वाले लैंडिंग गियर भी लगे हैं

यह हवा में करीब 260 से 270 किलोमीटर प्रति घंटा की क्रूज गति से उड़ सकता है। एक बार पूरा ईंधन भरने पर यह लगभग 1,200 से 1,740 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। इसमें सिकुड़ने वाले लैंडिंग गियर भी लगे हैं। यह उड़ान के दौरान हवा के अवरोध को कम करते हैं और गति बढ़ाते हैं। इसमें आधुनिक गार्मिन जी1000एनएक्सआई ग्लास कॉकपिट और ऑटोपायलट प्रणाली भी लगी होती है।

20 मिनट बाद ही विमान क्रैश हो गया

यह डिजिटल स्क्रीन पर उड़ान और दिशा-निर्देशन की सारी सटीक जानकारी देता है। दो इंजन होने के कारण यह विमान अधिक सुरक्षित माने जाते हैं। यदि उड़ान के दौरान एक इंजन खराब भी हो जाए तो यह विमान दूसरे इंजन पर भी सुरक्षित रूप से उड़ने और उतरने में सक्षम है। यह विशेषता इसे एकल इंजन विमानों से बेहतर बनाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, उड़ान भरने के महज 20 मिनट बाद ही विमान क्रैश हो गया।

यूपी में हरियाणवी सिंगर हत्याकांड: रडार पर इन छह गैंग का नेटवर्क, दिल्ली-हरियाणा से पश्चिमी यूपी तक कड़ियां

आर्यावर्त संवाददाता

शामली। हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड में गोगी गैंग के हत्या की जिम्मेदारी लेने के बावजूद पुलिस को जांच में कई आपराधिक गिरोहों के गुर्गों के आपसी संपर्क के अहम सुराग मिले हैं। अब पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या अंकित की हत्या के पीछे अकेले गोगी गैंग था या कई गैंगों के गुर्गों ने मिलकर साजिश रची।

जांच में जितेंद्र गोगी, काला जठेड़ी, लॉरेंस बिश्नोई, संपत नेहरा, गोल्डी बराड़ और नीरज बवाना से जुड़े नेटवर्क की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो डालने वालों के संपर्क, बातचीत और लोकेशन की जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार सोशल मीडिया पर गैंग से संबंधित वीडियो

और पोस्ट डालने वालों के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। जांच में गोगी के अलावा नीरज बवाना और अन्य गैंगों से जुड़े सदस्यों के आपसी संपर्क की जानकारी भी सामने आई है। सोशल मीडिया गतिविधियों के आधार पर एक संदिग्ध की लोकेशन रोहतक और दूसरे की दिल्ली में मिलने की जानकारी पुलिस को मिली है। पुलिस सभी कड़ियों को जोड़ते हुए यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या की साजिश किसने रची और वारदात को अंजाम देने वालों तक निर्देश किस माध्यम से पहुंचे। एसपी का कहना है कि जांच में कई अहम सुराग हाथ लगे हैं और जल्द ही हत्याकांड में शामिल आरोपियों तथा पूरी साजिश का खुलासा कर दिया जाएगा।

गोगी गैंग: जिम्मेदारी लेने वाली पोस्ट से शुरू हुई जांच

अंकित की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर गोगी गैंग के नाम से जिम्मेदारी लेने वाली पोस्ट वायरल हुई। इसके बाद पुलिस ने पोस्ट डालने वाले और उसके संपर्कों की पड़ताल शुरू की। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि पोस्ट वास्तव में गैंग से जुड़े व्यक्ति ने डाली है या किसी ने जांच को भटकाने के लिए गोगी गैंग का नाम इस्तेमाल किया।

काला जठेड़ी: दिल्ली-हरियाणा से पश्चिमी यूपी तक कड़ियां

काला जठेड़ी का नाम दिल्ली-हरियाणा के साथ राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आपराधिक नेटवर्क से जुड़ा रहा है। उसका नाम लॉरेंस बिश्नोई नेटवर्क से भी जोड़ा जाता रहा है। पुलिस अंकित हत्याकांड में जठेड़ी नेटवर्क से जुड़े संभावित संपर्कों की भी जांच कर रही है।

लॉरेंस-संपत नेहरा नेटवर्क की दूसरी कड़ी

लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क में संपत नेहरा का नाम प्रमुखता से सामने आता रहा है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इस नेटवर्क से जुड़े किसी व्यक्ति का अंकित हत्याकांड के आरोपियों से कोई संपर्क था या नहीं।

गोल्डी बराड़ : डिजिटल नेटवर्क पर नजर

गोल्डी बराड़ को लॉरेंस बिश्नोई का करीबी सहयोगी बताया जाता रहा है। पुलिस अंकित हत्याकांड में सामने आई सोशल मीडिया गतिविधियों और डिजिटल संपर्कों की जांच के दौरान इस नेटवर्क की कड़ियां भी खंगाल रही है।

नीरज बवाना : गोगी का पुराना विरोधी गुट

नीरज बवाना का नाम दिल्ली के बड़े आपराधिक नेटवर्क में रहा है। गोगी गैंग के साथ उसकी पुरानी गैंगवार का भी उल्लेख मिलता है। ऐसे में पुलिस दोनों नेटवर्क के मौजूदा संपर्कों और गतिविधियों की भी पड़ताल कर रही है।

अंकित हमारे दुश्मनों से मिला था... कर दी हत्या

हरियाणवी गायक अंकित बालियान की हत्या की जिम्मेदारी गोगी गैंग ने ली है। गोगी गैंग से जुड़े भोलू शाहपुरिया के नाम से इंस्टाग्राम पर डाली गई पोस्ट में लिखा गया है कि अंकित उसके दुश्मनों से मिला हुआ था। इसलिए उसकी हत्या की गई। पुलिस इस दावे की जांच कर रही है। वहीं, बृहस्पतिवार को अंकित का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान लोगों ने हत्यारोपियों के एनकाउंटर की मांग की है।

पोस्ट में भोलू ने यह भी लिखा है कि अंकित गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी की हत्या के बाद टिल्लू गैंग के समर्थन में गाना बनाकर गोगी के खिलाफ माहौल बनाने का काम किया था। यही नहीं अंकित उनके दुश्मनों के आपराधिक कामों में साथ देता था। पोस्ट में धमकी भरे अंदाज में लिखा गया है कि यह तो अभी शुरुआत है। सभी का नंबर आएगा।

एसपी एनपी सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया पर पोस्ट सामने आने के बाद पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए इसकी तकनीकी जांच शुरू कर दी है। हत्याकांड के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। हत्यारोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। अंकित बालियान की बुधवार की शाम जिम के बाहर गाड़ी में बैठने के दौरान बाइक सवार चार हमलावरों ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने हत्यारोपियों के एनकाउंटर की मांग करते हुए शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया था। अंकित मूलरूप से शामली के गांव बंतीखेड़ा के रहने वाले थे।

छात्र राजनीति से पनपी दुश्मनी

शामली के गायक अंकित बालियान हत्याकांड की जांच में पुलिस ने दिल्ली-हरियाणा में लंबे समय से चल रही गैंगवार की कड़ियां खंगालनी शुरू कर दी हैं। गोगी और टिल्लू गैंग की दुश्मनी की शुरुआत कॉलेज की छात्र राजनीति से हुई थी। वर्चस्व की लड़ाई धीरे-धीरे व्यक्तिगत रंजिश और फिर संगठित अपराध में बदल गई।

मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ मनाया रक्षाबंधन, बच्चियों से बंधवाई राखी और ली सेल्फी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। पांच कालीदास मार्ग पर स्थित आवास पर उन्होंने निराश्रित बच्चियों और छात्राओं से राखी बंधवाई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बच्चियों को रिटर्न गिफ्ट भी दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निराश्रित बच्चियों और छात्राओं से राखी बंधवाते समय काफी भावुक भी दिखे। उन्होंने सभी को खूब पढ़ने-लिखने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने बच्चियों से राखी बंधवाने के बाद उनको लिफाफे में उपहार के साथ ही गिफ्ट हैंपर भी देकर विदा किया।

बच्चियों के साथ सेल्फी

बच्चों को बेहद प्यार और दुलार देने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके साथ बच्चे भी बन जाते हैं। बीते दिनों लखनऊ के दौरे पर आए जापानी बच्चों के साथ सेल्फी लेने वाले योगी आदित्यनाथ ने आज भी बच्चियों के साथ सेल्फी लेकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का उत्सव नहीं, बल्कि कर्तव्य और संरक्षण की भावना का भी पर्व है।

विश्वास और संस्कार का पर्व

सीएम योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन पर प्रदेश के सभी लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर्व स्नेह, विश्वास और संस्कार का पर्व है। सभी को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक बधाई। भाई-बहन के अटूट प्रेम के प्रतीक इस पर्व पर सभी प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामना।

रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का उत्सव नहीं, बल्कि कर्तव्य और संरक्षण की भावना का भी पर्व है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पवित्र पर्व पर हम सब संकल्प लें। सनातन विरासत की मजबूती के साथ ही साथ पारिवारिक मूल्य को मजबूत करने का संकल्प लें।

रक्षाबंधन पर फ्री बस यात्रा से महिलाओं को मिली सहूलियत, पहले दिन ही 9 लाख से ज्यादा ने किया सफर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। रक्षाबंधन पर्व पर योगी सरकार की ओर से महिलाओं और बहनों को दी गई निशुल्क बस यात्रा की सुविधा का पहले दिन बड़ी संख्या में यात्रियों ने लाभ उठाया। 27 अगस्त से शुरू हुई निशुल्क बस यात्रा में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में 6.03 लाख से अधिक महिलाओं ने सफर किया।

वहीं, महिलाओं के साथ सफर करने वाले 3.22 लाख से अधिक सहयात्रियों को भी निशुल्क यात्रा का लाभ मिला। इस तरह पहले दिन कुल 9.26 लाख से अधिक यात्रियों ने बिना किराया दिए सफर किया। परिवहन निगम के मुताबिक इस निशुल्क यात्रा की कुल कीमत 9.06 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है।

यूपीएसआरटीसी प्रधान प्रबंधक (संचालन) अनिल कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन पर महिलाओं को किसी तरह की परेशानी न हो और उन्हें सुगम व सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराई जा सके, इसके लिए परिवहन निगम के अधिकारी और कर्मचारी भी युद्ध स्तर पर जुटे हुए हैं।

सरकार और विभाग प्रमुख की तरफ से मिले निर्देशों के क्रम में यात्रियों की बढ़ी संख्या को देखते हुए जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बसों को भी सड़कों पर उतारा गया है। बसों के संचालन, यात्रियों की सुविधा और व्यवस्था पर निगम की ओर से लगातार निगरानी रखी जा रही है।

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार में पंचायती राज मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर एक अलग अंदाज में नजर आए। महिलाओं के लिए शुरू की गई निःशुल्क बस यात्रा योजना का जायजा लेने के लिए राजभर खुद बस में सवार हुए और आम यात्रियों के बीच सफर किया। उन्होंने अंबेडकरनगर से अतरौलिया तक बस से यात्रा की। इस दौरान उन्होंने महिला यात्रियों से बातचीत कर सरकार की मुफ्त बस यात्रा योजना की जमीनी हकीकत जानने की कोशिश की।

पहले दिन महिलाओं और उनके साथ सफर करने वाले सहयात्रियों की कुल संख्या के लिहाज से मुरादाबाद क्षेत्र सबसे आगे रहा, जहां 62,586 महिलाओं और 32,203 सहयात्रियों समेत कुल 94,789 यात्रियों ने निशुल्क यात्रा की। इसके बाद हरदोई में 82,920, गोरखपुर में 68,152, लखनऊ में 64,590 और बरेली में 58,309 यात्रियों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। इन पांच क्षेत्रों में ही कुल करीब 3.69 लाख यात्रियों ने निशुल्क सफर किया।

यात्रियों ने की सरकार के कदम की सराहना

रक्षाबंधन पर निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलने से महिलाओं के साथ उनके सहयात्रियों में भी खुशी का माहौल रहा। यात्रियों का कहना है कि त्योहार पर बड़ी संख्या में लोगों को अपने घर जाने की जरूरत होती है। ऐसे में निशुल्क बस यात्रा से परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम हुआ है। महिलाओं के साथ सहयात्री भी योगी सरकार की इस पहल की सराहना कर रहे हैं। साथ ही अतिरिक्त बसों के संचालन से भीड़ के बीच घर पहुंचने में सुविधा मिलने की बात यात्रियों ने कही।

परिवहन निगम कर रहा निरीक्षण

निशुल्क यात्रा का लाभ पात्र यात्रियों तक पहुंचे और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे, इसके लिए परिवहन निगम की टीमें विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण भी करेंगी। इससे बसों में निशुल्क यात्रा की व्यवस्था की निगरानी के साथ यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया जाएगा।

○ संक्षेप ○

लखनऊ में चेन स्नैचर ने ट्रैफिक सिपाही के चेहरे पर मारा पत्थर, दौड़ाकर पकड़ा ; महिला ने बांधी राखी

लखनऊ। रक्षाबंधन पर्व पर यातायात ड्यूटी के दौरान चेन स्नैचिंग के आरोपी को पकड़ने वाले यातायात आरक्षी नवीन चौधरी ने अदम्य साहस का परिचय दिया। आरोपी ने पकड़े जाने के दौरान आरक्षी के चेहरे पर पत्थर से हमला कर दिया, जिससे उनकी नाक पर चोट लगी और रक्तस्राव होने लगा। इसके बावजूद आरक्षी ने आरोपी को नहीं छोड़ा और उसे पकड़कर थाना पुलिस के हवाले कर दिया। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे मड़ियांव ढाल पर हुई। रक्षाबंधन के चलते संभावित भीड़ और यातायात दबाव को देखते हुए प्रमुख व संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। इसी दौरान यातायात ड्यूटी कर रहे आरक्षी नवीन चौधरी ने एक महिला से चेन छीनकर भाग रहे आरोपी को देखा। उन्होंने तत्काल आरोपी का पीछा किया और उसे पकड़ लिया। डीसीपी ट्रैफिक रवीना त्यागी ने बताया कि आरोपी ने खुद को छुड़ाने के लिए आरक्षी नवीन चौधरी के चेहरे पर पत्थर से प्रहार कर दिया। चोट लगने के बावजूद उन्होंने आरोपी को नियंत्रण में रखा और संबंधित थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। घायल आरक्षी को उपचार के लिए हिम सिटी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी नाक पर दो टांके लगाए गए। पुलिस के अनुसार उनकी हालत सामान्य और खतरे से बाहर है। आरक्षी नवीन चौधरी के साहस और कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने उन्हें 10 हजार रुपये नकद पुरस्कार और प्रशस्ति-पत्र देने की घोषणा की है। साथ ही कमेंडेशन डिस्क के लिए भी उनका नाम प्रस्तावित किया गया है।

लखनऊ पहुंचे बॉलीवुड अभिनेता रजा मुराद, बोले- क्रिकेट के रन बनेंगे जरूरतमंदों का भोजन, यही इंसानियत

लखनऊ। वरिष्ठ अभिनेता रजा मुराद ने कहा कि अगर क्रिकेट के रनों को भोजन में और मनोरंजन को सेवा में बदला जा सकता है, तो यह सिर्फ खेल नहीं, बल्कि इंसानियत से जुड़ा एक बड़ा उद्देश्य बन जाता है। वह लखनऊ के ताज होटल में हंगर फ्री भारत और आरसीएल-रेस्टोरेंट क्रिकेट लीग (आरसीएल) सीज़न-4 की विशेष प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भूख के खिलाफ लड़ाई किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। खेल और मनोरंजन की लोकप्रियता को सामाजिक बदलाव के लिए प्रभावी माध्यम बनाया जा सकता है। इससे पहले प्रेस वार्ता की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के उस संदेश से हुई, जिसमें खाद्य बर्बादी रोकने और भोजन के महत्व व सम्मान पर जोर दिया गया था। हंगर फ्री भारत एवं आरसीएल के संस्थापक अरविंद कुमार ने बताया कि अक्तूबर में नई दिल्ली में होने वाले आरसीएल सीज़न-4 में एक अनोखी सामाजिक पहल के तहत हर 10 रन के बदले 100 जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। प्रेस वार्ता में अभिनेता अरुण बख्शी और अवतार गिल के साथ भारतीय महिला बधिर क्रिकेट टीम के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि आरसीएल सीज़न-4 में भारतीय महिला बधिर क्रिकेट टीम के अलावा किसान, ट्रांसजेंडर समुदाय, शेफ, सोशल मीडिया प्रभावक, दिल्ली पुलिस और स्कूल टीमें सहित विभिन्न वर्गों के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इसका उद्देश्य क्रिकेट के मैदान से आगे बढ़कर भूख, खाद्य बर्बादी, जिम्मेदार भोजन उपभोग और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति व्यापक जागरूकता पैदा करना है। इस अभियान का संदेश है कि भोजन का सम्मान करें, उसे साझा करें और कभी बर्बाद न करें।

अखिलेश यादव का सीएम योगी पर तंज, बोले- मुफ्त बस का वादा कर बसें हटवाईं, भाजपा सिर्फ वोटों की सगी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के मुद्दे को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार ने रक्षाबंधन पर मुफ्त बस यात्रा का वादा तो किया, लेकिन बसें ही हटवा दीं।

अखिलेश यादव ने भाजपा नेताओं पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा, "प्राण जाए पर वचन न जाए कहने वाले रघुवंशियों तक को ठग लेने वाले ये भाजपा नेता क्या वचन निभाएंगे।"

उन्होंने जाट समाज से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार को घेरा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री जाट समाज में व्याप्त आक्रोश और मारे गए लोकप्रिय युवा गायक अंकित बालियान के दुखी पिता की बात सुनेंगे या उनसे भी उसी तरह पेश आएंगे, जैसा पहले एक दुखी मां के साथ हुआ था।अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सिर्फ वोटों की सगी है, जाट या किसी अन्य समाज की नहीं।

उन्होंने कहा कि आज जो जाट नेता अपने स्वार्थ के कारण भाजपा के साथ खड़े हैं, उनसे पूरा जाट समाज जवाब मांग रहा है। सपा अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि भाजपा के सहयोगी जाट नेता आखिर कहां भूमिगत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि युवा जाट आज ऐसे नेताओं को तलाश रहे हैं और उनसे जवाब मांगना चाहते हैं।

रक्षाबंधन पर सूनी रहीं भाइयों की कलाइयां, लखनऊ में 100 दिन से लापता बहन का नहीं लगा सुराग

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। रक्षाबंधन पर जहां बहनें भाइयों की कलाई पर राखी बांध रही हैं, वहीं पीजीआई क्षेत्र के एक परिवार में तीन भाइयों की कलाइयां सूनी हैं। तीनों भाई करीब 100 दिन से लापता बहन की वापसी की राह देख रहे हैं। 21 मई को युवती के लापता होने के बाद पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में जुटी हैं। परिजनों के मुताबिक, 21 मई को जीव-जंतु पकड़ने का काम करने वाला इरशाद युवती को चाकू दिखाकर अपने साथ ले गया था। करीब 100 दिन बीतने के बावजूद कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। युवती के पिता का कहना है कि जांच के दौरान नेपाल के लमकी, कैलाली क्षेत्र में उसकी लोकेशन मिलने की जानकारी सामने आई है। अन्य माध्यमों से मिले संकेतों में नेपाल की आवाज सुनाई देने का भी दावा किया जा रहा है। पिता का सवाल है कि यदि लोकेशन नेपाल में मिल रही है तो वहां की पुलिस और स्थानीय प्रशासन से समन्वय कर बेटी की तलाश क्यों नहीं कराई जा रही है। नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन से तबाही की खबरों के बीच परिवार की चिंता और बढ़ गई है। परिवारजन आशंकित हैं कि कहीं उनकी बेटी भी आपदा की चपेट में न आ गई हो। पिता ने पुलिस से नेपाल पुलिस और वहां के प्रशासन से तत्काल संपर्क कर बेटी की सुरक्षित तलाश कराने और उसे वापस लाने की मांग की है।

लखनऊ नगर निगम में हर साल बिना ई-टेंडर हो रहे 500 करोड़ के काम, ठेकेदार फिक्स करने की चर्चा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में कानपुर नगर निगम में टेंडर प्रक्रिया की अनियमितताओं पर नाराजगी जताई थी। इसके बाद वहां सख्ती हुई, लेकिन राजधानी लखनऊ में नगर निगम में मनमानी जारी है। यहां हर साल करीब 500 करोड़ रुपये के काम बिना ई टेंडर के कराए जा रहे हैं। इससे टेंडर पूलिंग को बढ़ावा मिल रहा है। प्रतिस्पर्धा न होने से नगर निगम को नुकसान हो रहा है।

पारदर्शी व्यवस्था के लिए शासन का आदेश है कि सभी कार्यों के ई टेंडर हों। इसके बावजूद निगम में पार्षद कोटा और नगर निगम निधि के कार्य बिना ई टेंडर के हो रहे हैं। कानूनी अड़ंगे से बचने के लिए सदन ने 10 लाख रुपये से कम लागत के कार्यों के लिए मैनुअल टेंडर का प्रस्ताव पास किया है। 10 लाख रुपये से अधिक लागत वाले कार्यों को कई हिस्सों में बांटकर फाइलें बनाई जाती हैं। फिर इनके अलग-अलग मैनुअल टेंडर कराए जाते हैं। इस तरीके से टेंडर पूलिंग आसानी से हो रही है। 15वां वित्त और अवस्थापना बजट के कार्यों के लिए ठेकेदार 15 से 40 फीसदी तक कम दर पर टेंडर डालते हैं। वहीं, पार्षद कोटा के मैनुअल टेंडर एस्टीमेट दर पर या बहुत कम छूट पर आते हैं। वार्ड विकास निधि से इस साल 300 करोड़ रुपये के काम हो रहे हैं। यदि इनके ई-टेंडर हों तो निगम को हर साल करीब 40 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है।

...इसलिए हो रहे मैनुअल टेंडर

सूत्रों के अनुसार मैनुअल टेंडर से पूलिंग आसान हो जाती है। हर वार्ड का एक निश्चित ठेकेदार है जिसे लंबे समय से काम मिल रहा है। ये ठेकेदार जनसेवकों के खास होते हैं। यदि कोई अन्य ठेकेदार टेंडर डालता है तो उसे किसी न किसी वजह से निरस्त कर दिया जाता है। इससे प्रतिस्पर्धा समाप्त हो जाती है और मनमानी बढ़ती है।

सफाई में भी चल रही मनमानी

नगर निगम के 50 से अधिक वार्डों में सफाई का काम कार्यदायी संस्थाओं के जरिये हो रहा है। इन कार्यों के लिए भी ई टेंडर नहीं कराए जा रहे हैं। ये कार्यदायी संस्थाएं केवल प्रस्ताव पर ही काम कर रही हैं। ऐसे में सालाना करीब 200 करोड़ रुपये का सफाई कार्य बिना टेंडर के ही कराया जा रहा है।

जिम्मेदारों ने साथ ली चुप्पी

महापौर सुषमा खर्कवाल से जब पूछा गया कि ई टेंडर पूरी तरह से क्यों लागू नहीं है और क्या आगे इसे लागू करेंगी तो उन्होंने कहा कि इस बारे में नगर आयुक्त से बात करें, वही बताएंगे। हालांकि नगर आयुक्त से बात नहीं हो सकी।

सूबे में आज से कमजोर पड़ेगी बारिश, बढ़ेगी उमस ; 19 जिलों में गरज चमक के साथ वज्रपात की आशंका

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीते कई दिनों से हो रही अच्छी बारिश के फिलहाल कमजोर पड़ने के संकेत हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में सक्रिय मानसून में शुक्रवार से अगले तीन चार दिनों के लिए कमजोरी आएगी।

एक सितंबर तक के लिए प्रदेश में पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभाग में कहीं भी भारी बारिश की चेतावनी नहीं है। हालांकि इस बीच प्रदेश के तराई व कुछ अन्य जिलों में हल्की बारिश जारी रह सकती है। शुक्रवार के लिए प्रदेश के 19 जिलों में गरज चमक के साथ वज्रपात की आशंका जताई गई है।

इधर, बृहस्पतिवार को बुंदेलखंड समेत प्रदेश के विभिन्न इलाकों में कहीं मध्यम तो कहीं भारी बारिश हुई। मुरादाबाद में सर्वाधिक 161 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं महोबा में 155 मिमी, बदायूं में 154 मिमी, गोंडा में 133 मिमी और बांदा में 101.8 मिमी बारिश हुई।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में शुक्रवार से कुछ दिनों के लिए मानसून के धीरे-धीरे कमजोर पड़ने के संकेत हैं। मानसून के कमजोर पड़ने से उमस भरी गर्मी फिर से सिर उठाएगी।

स्वाइन फ्लू से राजधानी में पहली मौत, जांच में हुई पुष्टि; परिवार के लोगों पर रखी जा रही नजर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में स्वाइन फ्लू जानलेवा हो चुका है। स्वाइन फ्लू से ग्रस्त महिला की बृहस्पतिवार को इलाज के दौरान बलरामपुर अस्पताल में मौत हो गई। महिला की निजी केंद्र से हुई आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट पॉजिटिव थी। इससे विभाग में खलबली मची है। वहीं सीएमओ मरीज की मौत पर पर्दा डालने में जुटे हैं।

इंदिरानगर निवासी 50 वर्षीय महिला को 25 अगस्त को परिजनों ने बलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी भर्ती कराया था। यहां डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया। लक्षणों के आधार पर स्वाइन फ्लू की आशंका जताई गई। रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई। महिला को कुछ दिन पहले सर्दी-जुकाम, बुखार और सांस लेने में तकलीफ हुई थी। परिवारीजनों ने पहले निजी अस्पताल में इलाज कराया। लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। करीब 25 दिन तक महिला निजी अस्पताल में भर्ती रही थी।

स्वाइन फ्लू से पहली मौतके बाद विभाग में हड़कंप

हालत गंभीर होने पर बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया था। भर्ती होने के बाद महिला की सांस लेने में परेशानी लगातार बढ़ती गई। हालत गंभीर होने पर उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ जीवनरक्षक उपकरणों पर रखा गया। डॉक्टरों की निगरानी में इलाज जारी रहा, लेकिन 2.30 बजे मरीज की मौत हो गई। स्वाइन फ्लू से पहली मौत होने के बाद विभाग में हड़कंप मचा है।

परिवार की भी होगी निगरानी स्वास्थ्य विभाग की टीम अब महिला की ट्रैवल हिस्ट्री और संक्रमण से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाएगी। महिला के संपर्क में आए लोगों की भी निगरानी की जा सकती है। परिवार के अन्य सदस्यों को फिलहाल आइसोलेट रहने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने परिवारीजनों को जरूरी दवाएं उपलब्ध कराने के साथ एहतियात बरतने की सलाह दी है। अधिकारियों के मुताबिक परिवार के सदस्यों में किसी को सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी या सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करानी चाहिए।

सांस की तकलीफ को न करें नजरअंदाज स्वाइन फ्लू में सामान्य तौर पर बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द और कमजोरी जैसे लक्षण हो सकते हैं। गंभीर मरीजों में सांस लेने में परेशानी बढ़ सकती है। खासकर सांस फूलने या ऑक्सीजन स्तर गिरने जैसे संकेत मिलने पर मरीज को तत्काल अस्पताल ले जाना जरूरी है। राजधानी में सीजन की पहली मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण की स्थिति पर नजर बढ़ा दी है।

इमरजेंसी में भर्ती मरीजों के नमूने लिए गए

महिला का नमूना जांच के लिए केजीएमयू भेजा गया था। रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू पॉजिटिव आया था। जिसके बाद महिला को स्वाइन फ्लू वार्ड में शिफ्ट किया गया था। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर इमरजेंसी में भर्ती करीब 30 से अधिक मरीजों के नमूने भी जांच के लिए भिजवाए हैं। जिनकी रिपोर्ट शुक्रवार तक आएगी।

परिजनों ने पहले छिपाई थी रिपोर्ट

अस्पताल प्रशासन का कहना है परिजन पहले निजी लैब से आरटीपीसीआर जांच की रिपोर्ट करवाया था। जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। परिजन भर्ती के बाद तक ये रिपोर्ट छिपाए हुए थे। हालत गंभीर होने के बाद परिजनों वह निजी केंद्र की रिपोर्ट दिखाया। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि महिला के कार्ड टेस्ट की रिपोर्ट पॉजिटिव थी। आरटीपीसीआर टेस्ट नहीं हुआ था। महिला के मौत की डेथ ऑडिट कराई जाएगी।

परिवार के लोगों पर रखी जा रही नजर

इंदिरा नगर की महिला की स्वाइन फ्लू से मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग उसके परिवार के अन्य सदस्यों की सेहत पर नजर रख रहा है। विभाग की टीम महिला की ट्रैवल हिस्ट्री और संक्रमण से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाएगी। महिला के संपर्क में आए लोगों की भी निगरानी की जा सकती है। परिवार के अन्य सदस्यों को फिलहाल आइसोलेट रहने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने परिवारीजनों को जरूरी दवाएं उपलब्ध कराने के साथ एहतियात बरतने की सलाह दी है। अधिकारियों के मुताबिक परिवार के सदस्यों में किसी को सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी या सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करानी चाहिए।

सांस की तकलीफ को न करें नजरअंदाज

स्वाइन फ्लू में सामान्य तौर पर बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द और कमजोरी जैसे लक्षण हो सकते हैं। गंभीर मरीजों में सांस लेने में परेशानी बढ़ सकती है। खासकर सांस फूलने या ऑक्सीजन स्तर गिरने जैसे संकेत मिलने पर मरीज को तत्काल अस्पताल ले जाना जरूरी है। राजधानी में सीजन की पहली मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण की स्थिति पर नजर बढ़ा दी है।

इमरजेंसी में भर्ती मरीजों के नमूने लिए गए

महिला का नमूना जांच के लिए केजीएमयू भेजा गया था। रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू पॉजिटिव आया था। जिसके बाद महिला को स्वाइन फ्लू वार्ड में शिफ्ट किया गया था। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर इमरजेंसी में भर्ती करीब 30 से अधिक मरीजों के नमूने भी जांच के लिए भिजवाए हैं। जिनकी रिपोर्ट शुक्रवार तक आएगी।

परिजनों ने पहले छिपाई थी रिपोर्ट

अस्पताल प्रशासन का कहना है परिजन पहले निजी लैब से आरटीपीसीआर जांच की रिपोर्ट करवाया था। जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। परिजन भर्ती के बाद तक ये रिपोर्ट छिपाए हुए थे। हालत गंभीर होने के बाद परिजनों वह निजी केंद्र की रिपोर्ट दिखाया।

एआई का प्रशिक्षण घर बैठे

इतिहास अपने को दोहरा रहा है। राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते कंप्यूटर क्रांति या व्यापक रूप से कहें तो संचार क्रांति की बुनियाद रखी। उस क्रांति की अंत परिणति यह हुई कि भारत 21वीं सदी में पहुंचा तो हर काम कंप्यूटर पर करने लगा लेकिन कंप्यूटर बनाना उसके लिए मुश्किल ही रहा। जैसे तैसे कुछ कंपनियों ने कंप्यूटर बनाना शुरू कर दिया लेकिन कंप्यूटर का दिमाग यानी उसका ऑपरेटिंग सिस्टम भारत नहीं बना सका। इसी तरह सोशल मीडिया क्रांति में भी भारत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का उपयोक्ता बना रहा। हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत में सारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स मिल कर एक अरब भारतीय यूजर्स हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी तीसरी क्रांति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की है। इसमें भी भारत एआई टूल्स का सबसे बड़ा उपयोक्ता बन गया है। पिछले दिनों भारत में इसे लेकर एक सम्मेलन हुआ तो सैम ऑल्टमैन ने बड़ी शान से बताया कि भारत में उनके एआई प्लेटफॉर्म यानी चैटजीपीटी का इस्तेमाल 13 करोड़ लोग करते हैं। भारत एआई आधारित सेक्टर स्पेशिफिक टूल्स विकसित कर रहा है। अपना लार्ज लैंग्वेज मॉड्यूल तैयार नहीं हो पाया है और अगर कुछ काम हुआ भी है तो कोई इसका इस्तेमाल नहीं कर रहा है। एआई सम्मेलन के बाद पहला स्वतंत्रता दिवस आया, जो भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस था। इस मौके पर दिल्ली से लेकर देश के लगभग हर हिस्से में नेताओं यानी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों के भाषण में एक मुख्य मुद्दा एआई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा कि उनकी सरकार एक करोड़ युवाओं को एआई का प्रशिक्षण दिलाएगी। इस बात की खूब वाहवाही हुई है। शिक्षा और परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ 'जेन जी के आंदोलन के बाद के इस भाषण को युवाओं के उत्थान की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री के अलावा कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपने भाषण में कहा कि वे अपने यहां युवाओं के एआई की ट्रेनिंग दिलाएंगे।

याद करें 30 साल पहले इसी तरह से युवाओं को कंप्यूटर का प्रशिक्षण देने की शुरुआत हुई थी। उस समय की सरकारें हर भाषण में दावा करती थीं कि करोड़ों युवाओं को कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिया जाएगा। गली गली में कंप्यूटर प्रशिक्षण के संस्थान खुले थे। यह वो समय था, जब एक के बाद एक भारत की लड़कियां विश्व और ब्राह्मांड सुंदरी चुनी जा रही थीं। तभी महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक में ब्यूटी पार्लर्स खुल रहे थे। एक तरफ ब्यूटी पार्लर्स खुल रहे थे और दूसरी ओर कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र खुल रहे थे। इससे दुनिया की ब्यूटी प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों का धंधा चमका तो दूसरी ओर कंप्यूटर बनाने वाली कंपनियों का कारोबार बढ़ा। दुनिया की बड़ी कंप्यूटर कंपनियों ने भी इसमें काफी निवेश किया और प्रशिक्षण संस्थाओं की मदद की। अनेक सरकारी संस्थाओं को मुफ्त में कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए और मुफ्त में कंप्यूटर की ट्रेनिंग भी हुई। तीन दशक के बाद वही इतिहास दोहराता दिख रहा है। अब दुनिया की एआई कंपनियां खूब निवेश कर रही हैं। उनको अपना बाजार बढ़ाना है। प्रधानमंत्री ने एक करोड़ युवाओं को एआई की ट्रेनिंग का वादा किया है तो इस वादे को पूरा करने में एआई कंपनियां भी आगे आएंगी। उनका सरकार के साथ समझौता होगा और वे युवाओं के प्रशिक्षित करेंगी। जो कुछ भी कंप्यूटर के इस्तेमाल का प्रशिक्षण देने के लिए हुआ था वह सब एआई का प्रशिक्षण देने में भी होगा। फर्क यह होगा कि उस समय कंप्यूटर प्रशिक्षण के संस्थान खुलते थे, जहां युवाओं को जाना होता था। एआई का प्रशिक्षण घर बैठे हो जाएगा। गली गली में इसके संस्थान नहीं खुलेंगे।

फिर युवाओं के प्रशिक्षण के बाद हर सरकारी और निजी कार्यालय में एआई से कामकाज होने लगेगा, जैसे अभी कंप्यूटर से होता है। इससे नौकरियां खत्म होंगी या कम होंगी और राजस्व अमेरिका या दुनिया के दूसरे देशों को जाएगा। जैसे अभी कंप्यूटर से लेकर मोबाइल और सोशल मीडिया के इस्तेमाल में होता है। इनका जितना ज्यादा इस्तेमाल भारत में होता है उतना ज्यादा लाभ अमेरिका की कंपनियों को होता है। वही कहानी एआई में दोहराई जाएगी। भारत में जितने यूजर्स बढ़ते जाएंगे अमेरिकी कंपनियों की कमाई भी उतनी ही बढ़ेगी। ऐसा नहीं है कि इसका लाभ भारत को नहीं होगा। निश्चित रूप से कंप्यूटर के इस्तेमाल ने लोगों की कार्य क्षमता बढ़ाई और सरकारी व निजी कंपनियों में कामकाज आसान हुआ। वैसे ही एआई के इस्तेमाल से भी काम की क्षमता और गुणवत्ता में सुधार होगा। परंतु यह भी साबित होगा कि भारत बाजार बने रहने के लिए अभिशप्त है। हम पहले से जिन उपभोक्ता वस्तुओं का बाजार हैं वह अपनी जगह कायम है। जो नई क्रांति हो रही है, नए विचार आ रहे हैं और नई चीजें हो रही हैं उनमें भी भारत कुछ नहीं कर पा रहा है। न सरकारी पहल है और न निजी कंपनियों की ओर से रिसर्च एंड डेवलपमेंट में खर्च किया जा रहा है। सब इस सोच में काम कर रहे हैं कि दुनिया में एआई के टूल्स बन जाएंगे और भारत उनका इस्तेमाल कर लेगा।

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है।

नीरज कुमार दुबे

भारतीय विदेश मंत्रालय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है। हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से सांप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बड़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।

उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का निवेश फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है।

अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्जियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्तलिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है।

इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं और यही मोदी की रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा प्रमाण है। लेकिन असली भू-राजनीतिक धमाका इसके बाद हो सकता है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन और शी चिनफिंग की मौजूदगी की संभावना भारत की कूटनीतिक हैसियत को और मजबूत करेगी। यदि मोदी, पुतिन और शी एक ही मंच पर लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलते हैं, तो यह किसी औपचारिक मित्रता की घोषणा नहीं होगी; लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय निर्देशों पर नहीं चलती।

भारत, रूस और चीन के बीच मतभेद मौजूद हैं, विशेषकर भारत-चीन संबंधों में। इसलिए इसे किसी स्थायी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। मगर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक शासन सुधार, ग्लोबल साउथ की आवाज, ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं के सवाल पर तीनों देशों की बातचीत का प्रभाव अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों तक जरूर पहुंचेगा। मोदी की उज्बेकिस्तान से बिश्केक और फिर नई दिल्ली तक फैली यह कूटनीतिक श्रृंखला एक बड़े संदेश का निर्माण करती है। संदेश यह है कि भारत अब मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, रूस के साथ पुराने रणनीतिक संबंधों को नए आर्थिक आधार दे रहा है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद, दोनों को एक साथ साध रहा है और ब्रिक्स जैसे मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की राजनीति को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन के लिए संदेश इसलिए असहज हो सकता है, क्योंकि दबाव, टैरिफ और रणनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति भारत को किसी खेमे में बांधने की गारंटी नहीं देती।

बहरहाल, मोदी की कूटनीति का मूल मंत्र साफ दिखाई देता है कि जहां भारत का हित, वहीं भारत का हाथ। अगले कुछ सप्ताह में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच शायद यही साबित कर दें कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत अपनी शर्तों पर चाल चलने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

व्यंग्य

ट्रंप काल में कई बातें उजागर

अडानी धन की ताकत से वे अमेरिका में भी बरी हो गए हैं। मगर इस क्रम में यह भी साफ हुआ है कि अमेरिकी न्याय व्यवस्था कैसे काम करती है और उस पर धन का कितना प्रभाव है।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश निकोलस गरौफिस ने अडानी समूह के खिलाफ घूस देने और धोखाधड़ी के आपराधिक मुकदमे को खारिज करने पर यह कहते हुए सहमति दे दी कि 'संघीय अभियोजकों के निर्णय की समीक्षा करने का जज के पास सीमित अधिकारÓ है। लेकिन उन्होंने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के न्याय विभाग के इस निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए लिखा- ₹अभियोग खारिज करने के निर्णय में बरती गई अनियमितताएं चिंताजनक हैं।₹ उन्होंने दो टूक कहा कि न्याय विभाग ने सामान्य से हटकर अलग प्रक्रिया अपनाई। जज ने खासकर न्याय विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ट्रेंट मैक्कॉटर की आलोचना कड़ी की है। कहा- मैक्कॉटर ने विभिन्न संघीय कार्यालयों के अनगिनत अधिकारियों और विशेषज्ञों की पेशेवर राय को नजरअंदाज कर दिया। जज ने बेलाग इस पर रोशनी डाली कि न्याय विभाग ने यह फैसला अडानी के वकीलों के साथ मिलकर लिया, जबकि अमेरिकी जांच एजेंसियों- एफबीआई और एसईसी, इस केस को दर्ज करने वाले अभियोजकों तथा अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय की कोई सलाह नहीं ली गई।

जज ने इसे ₹अत्यंत असामान्य₹ बताया है। इससे पहले जब न्याय विभाग ने केस वापस लेने का शुरुआती अनुरोध भेजा, तो जज ने उसे ₹कमजोर, सतही और अस्पष्ट₹ तर्कों पर आधारित बताया था। तब कोर्ट ने न्याय विभाग से मामले को खारिज करने के ठोस कारण मांगे थे। अब अंतिम फैसले में न्यायाधीश ने जो कहा है, उससे साफ है कि न्याय विभाग उन्हें संतोषजनक जवाब भेजने में नाकाम रहा। उसने स्पष्ट नहीं किया कि अडानी समूह के किन शर्तों पर राजी होने के बाद ट्रंप प्रशासन ने उपरोक्त फैसला लिया। इसके पहले अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग द्वारा दर्ज कराए गए के मुकदमे में गौतम अडानी 60 लाख और उनके भतीजे सागर एक करोड़ 20 लाख डॉलर का भुगतान करने पर राजी हुए थे। इस तरह धन की ताकत से वे अमेरिका में भी बरी हो गए हैं। मगर इस क्रम में अमेरिकी न्याय व्यवस्था कैसे काम करती है और उस पर धन का कितना प्रभाव है, यह साफ हुआ है। ट्रंप काल में ऐसी कई बातें उजागर हो रही हैं, जो जिन पर पहले परदा पड़ा रहता था।

ब्लॉग

देश को कॉकरोच मत बनाइए

हरिशंकर व्यास

यह न मेरा निष्कर्ष है, न कोई नई बात। जिस कथित हिंदू राजनीति का इतना शोर है, उसके भय, भूख, भक्ति और लूट के बीज न सावरकर की पुस्तकों में मिलते हैं और न स्वतंत्र भारत में सेकुलरवाद तथा इस्लामी आक्रमणों की सबसे तीखी आलोचना करने वाले स्वामी करपात्री, सीताराम गोयल या अरुण शौरी की लेखनी में। स्वामी करपात्री वे दबंग और तात्त्विक चिंतक थे, जिन्होंने 1952 के पहले आम चुनाव में हिंदू कोड बिल और गौहत्या प्रतिबंध को मुद्दा बनाकर पंडित जवाहरलाल नेहरू के विरुद्ध स्वामी प्रभुदत्त ब्रह्मचारी को चुनाव मैदान में उतारा। हालात ऐसे बने कि नेहरू को अपनी सीट बचाने के लिए स्वयं प्रचार करना पड़ा। चुनावी पोस्टरों पर विशेष रूप से पंडित जवाहरलाल नेहरू लिखना पड़ा। यही करपात्री पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर लगी पाबंदी हटवाने और जेलों में बंद उसके कार्यकर्ताओं की रिहाई के लिए भी सक्रिय रहे।

लेकिन इसके बावजूद वे संघ और गुरु गोलवलकर के कठोर आलोचक थे। कारण क्या था? उनका स्पष्ट मत था, आपको (गोलवलकर-संघ) प्रामाणिक ग्रंथ मान्य नहीं हैं। मनमानी ही यदि आदर्शों और परंपराओं का आधार होगी तो कोई भी वैसा कर सकता है। ऐसी निष्प्रमाण परंपरा और आदर्श उसके दिमाग का फितूर मात्र हैं, तात्त्विक नहीं। यदि यही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आदर्श है तो उससे प्रामाणिक सनातन धर्म को लाभ नहीं, हानि ही होगी। तब आस्तिकों को कम्युनिस्ट, सोशलिस्ट और सेक्युलरिस्ट की तरह इसका भी विरोध करना होगा।

ओह! करपात्री कितने सही साबित हुए। ये पंक्तियां स्वामी करपात्री की पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और हिंदू धर्म (तुलसी मंदिर, वाराणसी, 1970) की प्रस्तावना प्रामाण्य-विचार की अंतिम पंक्तियां हैं।

तो सौ वर्ष पहले स्थापित आरएसएस और उसकी राजनीति की गंगोत्री आखिर क्या है? तात्त्विक आधार से रिक्त, बुद्धि से शून्य और फितूर से संचालित राजनीति। यही निष्कर्ष संघ को दशकों तक पढ़ने-समझने वाले सीताराम गोयल ने अपने ढंग से निकाला, डफरों की जमात। और बाद में अरुण शौरी ने उसी प्रवृत्ति को एक शब्द में समेट दिया, इलहामी। यानी रात को सपना देखिए और सुबह उसे नीति घोषित कर दीजिए। जैसे एक रात नोटबंदी का सपना आया और अगले दिन पूरा देश उसकी प्रयोगशाला बन गया।

तभी क्या 12 वर्षों का यह प्रामाणिक निष्कर्ष नहीं बनता कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ लोगों का देश बुद्धि, विवेक, कौशल, शिक्षा, नैरेटिव, विचार और पठन-पाठन, हर स्तर पर सिकुड़ता गया है? ज़रा प्रधानमंत्री, उनके पीएमओ, कैबिनेट, सलाहकारों, वफ़ादार आईएएस, आईपीएस अधिकारियों, थिंक टैंकों और संस्थानों के प्रमुखों के चेहरों पर गौर करें। क्या इनमें एक भी ऐसा बचा है, जिसमें इतना बौद्धिक साहस हो कि वह अपने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री से कह सके कि देश को कॉकरोच मत बनाइए; सच सुनिए और सच स्वीकार कीजिए?

यदि सत्ता ने राजधर्म का अर्थ विपक्ष को पप्पू, देशद्रोही और धर्मविरोधी घोषित करना बना लिया है; यदि झूठे मुकदमों, ईडी और सीबीआई के राजनीतिक इस्तेमाल को शासन का सामान्य औज़ार बना लिया गया है, तो क्या किसी एक में भी, इतना भी साहस नहीं कि वह कहे, बस, बहुत हुआ।

यदि गृह मंत्री नागरिकों की नागरिकता पर ही तलवार लटकाए, तो क्या कोई भी यह नहीं बोलेगा कि मां भारती की भूमि पर इससे बड़ा अपमान क्या होगा कि उसके अपने ही नागरिकों को संदेह की निगाह से देखा जाए? बात-बात पर भय पैदा करना, फितूरी और फर्जी नैरेटिव गढ़ना, क्या यही राष्ट्रधर्म है? या राष्ट्रधर्म नागरिक का आत्मविश्वास बढ़ाना, निर्भयी बनाना होता है?

मनुष्य को कॉकरोच कहना संस्कृति है या बर्बरता? और यदि उसी अपमान के प्रतिरोध में 15, 18, 20 या 25 वर्ष के लड़के-लड़कियां संसद मार्ग तक मार्च करें, तो उन पर लाठीचार्ज करना, आंसू गैस छोड़ना, क्या यही हिंदूपन है, या फिर जंगल का कानून है? और क्या इतना ही काफ़ी नहीं था कि ग़ुस्से में सड़क पर उतरी 15-20 वर्ष की बच्चियों पर एफआईआर दर्ज हों, उनके घरों तक पुलिस पहुंचे, परिवारों को डराया जाए? क्या यह उस संस्कृति का गौरव है, जिसके नाम पर नैतिकता का सबसे ऊंचा दावा किया जाता है? या यह उसी संस्कृति पर सबसे गहरा कलंक है?

पर बुद्धिहीनता की भी एक सीमा होती है। परीक्षा, बेरोज़गारी और अवसरों की चिंता से जूझ रहे बच्चों-बच्चियों से माफ़ी मांगना तो दूर, उनकी पीड़ा पर खेद या अफ़सोस तक व्यक्त नहीं हुआ। उलटे नरेंद्र मोदी, अजित डोवाल और पूरी सत्ता ने मान लिया कि समस्या परीक्षा नहीं, इंस्टाग्राम है; बेरोज़गारी नहीं, सोशल मीडिया है; और बच्चों का ग़ुस्सा नहीं, उनकी रीलें हैं।

सो, इलाज खोजा गया, मेटा और गूगल को बुलाइए। बच्चों की आवाज़ दबाइए। उनकी रीलों में मोदी या अमित शाह का नाम आए तो काट दीजिए, हटा दीजिए। एल्गोरिद्म ऐसा बना दीजिए कि मोदी दिखें, बच्चों के सवाल, व्यंग्य, बखिया उधेडना नहीं।

और फिर आधी रात में दिखा अंग्रेज़ी रैप की एनर्जेटिक बीट्स पर थिरकते, मेलोनी-मेलोडी करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी! शायद यह मानकर कि बच्चे परीक्षा-पत्र लीक, बेरोज़गारी और भविष्य की चिंता भूल जाएंगे और झूमकर कहेंगे, हाय दोस्त, तुम मेरे रैप स्टारज़ रॉक स्टार हो! मानो राजनीति नहीं, इंस्टाग्राम का फ़ल्टिर बदल देने से रामजी के देश में चढ़ावे की चोरी भी भूल जाएगी, प्रश्नपत्र लीक भी, बेरोज़गारी भी। पढ़ाई और नौकरी की चिंता छोड़ जनरेशन जेड, अल्फा फिर हरे रामा, हरे कृष्णा वाले हिप्पी युग में लौट जाएंगे। हर-हर मोदी का कीर्तन करने लगेंगे!

कमाल देखिए, 24 घंटे के भीतर मेटा ने पीएम की रील के 30 करोड़ व्यूज़ का ऐसा नगाड़ा बजवा दिया कि मानो देश की सबसे बड़ी ख़बर यही हो। बेरोज़गारी, परीक्षा और युवाओं का ग़ुस्सा फिर उसी एल्गोरिद्म की धूल में दबा, जैसे राजनीति पटरी पर लौट आई हो!

बुद्धिहीनता की और हद। अमेरिकी रैपर एनएफ के अंग्रेज़ी गीत की जिन आठ पंक्तियों का मोदी के वीडियो में इस्तेमाल हुआ, वे किसी विजेता का घोष नहीं हैं। वे ऐसे व्यक्ति की आत्मस्वीकृति हैं, जो प्रसिद्धि के शिखर पर खड़ा है, लेकिन भीतर से बिखरा हुआ है। अकेलेपन, असुरक्षा, मानसिक दबाव और अपने ही मन के अंधेरों से जूझने की कहानी है। सार है, बिक्री बढ़ सकती है, लेकिन जब सेहत गिर रही हो तो उसका क्या अर्थ? हम सब अपने भीतर कुछ ऐसा दबाकर रखते हैं जिसे मार देना चाहते हैं। उसे पानी में डुबोते हैं, लेकिन वह मरता नहीं। अचानक लौट आता है और तुम्हें लाखों झूठ सुनाता रहता है। क्या तुम इससे जुड़ाव महसूस नहीं करते?

सोचिए, अपने को अजेय और विश्व नेता बताने से पहले क्या नरेंद्र मोदी ने समझा भी कि वे किस गीत पर झूम रहे हैं? वे किस पीड़ा, किस आत्मस्वीकृति और किस बेचैनी को अपना विजय-गान बना रहे हैं? या उनकी प्रचार टोली को इतना भी पता नहीं था कि जिस रैप पर प्रधानमंत्री लटक-मटक रहे हैं, वह दरअसल टूटते हुए मन का विलाप है, विजय का गान नहीं।

ऊपर से गर्व कि वीडियो करोड़ों लोगों ने देखा। समय अलग था, माध्यम अलग थे, लेकिन आपातकाल को जरा याद करें। तब इंदिरा गांधी के चारों ओर इंडिया इज़ इंदिरा, इंदिरा इज़ इंडिया का प्रचार रचा गया। संजय गांधी को नौजवानों का सुपरस्टार बनाने की सरकारी मुहिम थी। सत्ता ने आवाज़ों पर ताले लगाए, जनता के सामने लाखों झूठ परोसे। लेकिन न जनता उस प्रचार से जुड़ी, न उसने संजय गांधी को खरीदा। प्रचार जितना ऊंचा उड़ता गया, उसके नीचे की ज़मीन उतनी ही तेज़ी से खिसकती गई। इतिहास ऐसा ही बनता है जब दिमाग पर पाला पड़ा होता है।

होटल में कत्ल!: सिर में कैसे लगी चोट? प्रेमी खामोश, बार-बार बदल रहा बयान, अंदरूनी अंग से हुआ अत्यधिक रक्तस्राव

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में रक्षाबंधन पर गुरुग्राम से घर लौट रही अनुसूचित जाति की 21 वर्षीय युवती की शिकोहाबाद स्थित एक होटल में प्रेमी के साथ ठहरने के दौरान मौत हो गई। पोस्टमार्टम में सिर में चोट लगने से कोमा में जाने के साथ अंदरूनी अंग से अत्यधिक रक्तस्राव की बात सामने आई है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने प्रेमी राहुल यादव और उसके एक साथी के खिलाफ हत्या और एससी-एसटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। परिजन ने दुष्कर्म का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने राहुल को हिरासत में लिया है जबकि उसका साथी फरार है। गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर चार घंटे तक प्रदर्शन किया। देर शाम युवती का अंतिम संस्कार कर दिया गया। नसीरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती पिछले तीन माह से गुरुग्राम में एक कंपनी में नौकरी कर रही थी। रक्षाबंधन पर घर आने के लिए वह बुधवार दोपहर करीब 12 बजे बस से गुरुग्राम से निकली थी। रात करीब आठ बजे शिकोहाबाद पहुंचने पर उसने पिता को फोन कर तबीयत खराब होने की बात कही। उसने बताया कि वह शिकोहाबाद की अपनी सहेली के घर रुक रही है और सुबह घर आ जाएगी। उसने पिता को अपने साथ राहुल उर्फ नितिन यादव निवासी विजेंद्र कॉलोनी के होने की भी जानकारी दी थी। पुलिस के अनुसार, युवती सहेली के घर पहुंची और अपना बैग वहां रख दिया। इसके बाद वह राहुल के साथ चली गई। दोनों मईयामई इलाके में एक होटल में ठहर गए। देर रात करीब तीन बजे युवती की हालत बिगड़ गई। राहुल ने सलेमपुर निवासी अपने एक दोस्त को बुलाया और दोनों युवती को बाइक पर बैठाकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। शिकोहाबाद मंडी के पास हाईवे किनारे स्थित अस्पताल में उस समय डायल-112 की टीम मौजूद थी। पुलिसकर्मियों ने दोनों युवकों के साथ अचेत युवती को देखा तो अस्पताल पहुंचे। तब तक चिकित्सकों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद दोनों युवक वहां से निकलने लगे। पुलिस ने राहुल को हिरासत में ले लिया जबकि उसका साथी भाग निकला। पुलिस ने युवती के परिजन को घटना की सूचना देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पिता ने शव की पहचान करने के बाद राहुल और उसके साथी के खिलाफ तहरीर दी।

हम घटना के हर पहलू पर गहनता से जांच कर रहे हैं। पूरी विवेचना वैज्ञानिक दृष्टिकोण से की जा रही है। होटल के कमरे में क्या हुआ, कैसे युवती की जान गई फिलहाल इन सवालों के जवाब पुलिस तलाश रही है।

- अनुज चौधरी, एसपी देहात

युवती के सिर में कैसे लगी चोट?

मईयामई गांव के बाहर स्थित एक होटल के बंद कमरे में 21 वर्षीय युवती के साथ आखिर क्या हुआ यह रहस्य पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवती की मौत का मुख्य कारण सिर में गंभीर चोट लगाया है। इसके अलावा अंदरूनी अंग से रक्तस्राव सामने आने के बाद कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हिरासत में लिया गया मृतका का प्रेमी राहुल यादव पुलिस के सामने बार-बार अपने बयान बदलकर जांच को भटकाने की कोशिश कर रहा है।

आरोपी राहुल यादव से जब बंद कमरे में युवती के सिर पर लगी गहरी चोट के बारे में सख्ती से पूछताछ की गई तो वह लगातार मनगढ़ंत कहानियां गढ़ रहा है। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने दावा किया कि युवती अचानक संतुलन बिगड़ने से गिर गई थी, जिससे उसके सिर में चोट लग गई। हालांकि, जब पुलिस ने चोट की गहराई और पोस्टमार्टम की रिपोर्ट को सामने रखा तो उसने अपना बयान बदलते हुए कहा कि युवती की तबीयत अचानक बिगड़ी और उसका सिर दीवार में लग गया था।

शव रखकर गिरफ्तारी की मांग

बृहस्पतिवार शाम करीब 4:30 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा तो परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने शिकोहाबाद-नसीरपुर मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारी आरोपियों की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। परिजनों ने युवती की शिकोहाबाद निवासी सहेली की भूमिका की भी जांच कर उसे नामजद करने की मांग की। चार घंटे चले प्रदर्शन के बाद पुलिस अधिकारियों के आश्वासन पर स्थिति नियंत्रित हुई।

तीन डॉक्टरों के पैनल ने वीडियोग्राफी के साथ किया पोस्टमार्टम

युवती के शव का परीक्षण स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित तीन वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ. राहुल जैन, डॉ. शालिनी तिवारी और डॉ. अभिषेक के पैनल ने किया। डॉक्टरों की टीम ने काफी गहनता से शरीर का परीक्षण किया। मौत के वास्तविक कारणों और दुष्कर्म के आरोपों की वैज्ञानिक पुष्टि के लिए डॉक्टरों की टीम ने महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं, जिनमें दुष्कर्म की आशंका और चिकित्सकीय पुष्टि के लिए डॉक्टरों ने तीन अलग-अलग स्लाइड सैंपल तैयार किए हैं।

अंदरूनी अंग से अत्यधिक रक्तस्राव की भी उलझी गुत्थी

युवती के अंदरूनी अंग से अत्यधिक रक्तस्राव बताया गया है लेकिन घटना के हालात कई ऐसे सवाल खड़े कर रहे हैं जिनका जवाब तलाशने में पुलिस के पसीने छूट रहे हैं। आमतौर पर दुष्कर्म या हत्या के मामलों में पीड़िता द्वारा खुद को बचाने के लिए किए जाने वाले विरोध के निशान शरीर पर उभर आते हैं। हालांकि, फॉरेंसिक टीम और डॉक्टरों द्वारा की गई जांच में मृतका के शरीर पर खरोंच, दबाव या संघर्ष का एक भी निशान नहीं पाया गया है। यहां तक कि युवती के गले में पहनी हुई चेन भी बिल्कुल सुरक्षित और सही सलामत स्थिति में मिली है। उसके कपड़े भी फटे या अस्त-व्यस्त नहीं थे। शरीर और कपड़ों की सामान्य स्थिति के बावजूद युवती के अंदरूनी अंग से अत्यधिक रक्तस्राव होना सबसे बड़ा रहस्य बन गया है। बिना किसी बाहरी जबरदस्ती या चोट के निशान के इतना गंभीर रक्तस्राव कैसे संभव हुआ इसको लेकर चिकित्सा विशेषज्ञ भी किसी एक निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाए हैं। इसी कारण दुष्कर्म की शुरुआती थ्योरी पर भी संशय की स्थिति है।

दो साल से थे प्रेम संबंध

युवती और आरोपी राहुल यादव उर्फ नितिन निवासी विजेंद्र कॉलोनी के बीच पिछले करीब दो वर्षों से प्रेम संबंध थे। पुलिस को राहुल ने यह जानकारी दी है। उसने बताया कि युवती जब नौकरी करने गुरुग्राम गई थी, तब भी दोनों के बीच लगातार बातचीत होती रहती थी। रक्षाबंधन पर वह पांच दिन की छुट्टी लेकर आई थी। गुरुग्राम से आने से पहले ही दोनों का रात में होटल में रुकने का प्लान बना था। पुलिस अब दोनों के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड और चैट की जांच कर रही है ताकि घटना की कड़ी से कड़ी जोड़ी जा सके।

दोस्त के जन्मदिन का बहाना बनाकर होटल गया था राहुल

राहुल यादव ने होटल में ठहरने और रात भर बाहर रहने के लिए अपने परिजन से झूठ बोला था। राहुल ने अपने परिवार को बताया था कि उसके दोस्त का जन्मदिन है, इसलिए पार्टी में जाने के कारण उसे घर लौटने में देर हो जाएगी। इस झूठे बहाने की आड़ में वह गुरुग्राम से आई प्रेमिका से मिलने और होटल में रुकने पहुंचा था।

आरोपी का मजदूर परिवार बेहाल

आरोपी राहुल यादव का परिवार मजदूर वर्ग से ताल्लुक रखता है। राहुल के पुलिस हिरासत में जाने की खबर मिलते ही उसके परिजन के पैरों तले जमीन खिसक गई और वे थाने के चक्कर काटने लगे। वहीं मामले की संवेदनशीलता, सुरक्षा कारणों और निष्पक्ष पूछताछ को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन ने आरोपी राहुल को थाने से हटाकर किसी सुरक्षित व गुप्त स्थान पर शिफ्ट कर दिया है, ताकि उस तक किसी की भी पहुंच न हो सके।

साथ आती तो बच जाती बहन... बड़ी बहन ने रो-रोकर खोले कई राज

नोएडा की एक निजी कंपनी में कार्यरत मृतका की बड़ी बहन ने रो-रोकर कई राज खोले। बड़ी बहन ने बताया कि परिवार में पिता, मां और दो भाई व दो बहन हैं। पिता खेती करते हैं। दो में से एक भाई नोएडा में नौकरी करता है। मृतका दूसरे नंबर की थी। उसने आगरा के कुबेरपुर स्थित एक संस्थान से छह माह पहले तीन माह का नर्सिंग का एक सर्टिफिकेट कोर्स किया था। उसी संस्थान के द्वारा बहन को गुरुग्राम के एक अस्पताल में साक्षात्कार के लिए भेजा गया। वहां साक्षात्कार ठीक नहीं होने के कारण नौकरी नहीं लगी। इस पर उसकी बहन ने एक कंपनी में नौकरी हासिल कर ली। रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए दोनों बहनों ने अपने गांव आने का प्लान बनाया था। बड़ी बहन ने बताया कि उसने छोटी बहन से एक साथ घर चलने को कहा था, लेकिन उसने साथ आने से इन्कार कर दिया। गुरुग्राम में मृतका के साथ उसी के गांव की एक अन्य युवती भी किराए के कमरे पर रहती है। वह उसके साथ आने की बात कह रही थी। मगर बहन उसके साथ बस में सवार नहीं हुई और दूसरी बस से आगरा तक आई। आगरा से उसने शिकोहाबाद के लिए बस पकड़ी थी। इस बीच उसकी सैलई, फिरोजाबाद निवासी फूफा से भी बात हुई थी। फूफा ने रात अधिक होने पर उनके घर आने के लिए कहा था। मगर बहन वहां भी नहीं पहुंची थी। बड़ी बहन के अनुसार, बुधवार रात करीब आठ बजे उसने शिकोहाबाद पहुंचने की जानकारी दी थी। बताया था कि उसकी तबीयत थोड़ी खराब है इसलिए वह एटा रोड पर स्थित अपनी एक सहेली के घर रुक रही है और अगले दिन सुबह गांव पहुंचेगी। वह साथ आती तो बच जाती।

पोस्टमार्टम हाउस पर तैनात रहा तीन थानों का फोर्स, पुलिस अभिरक्षा में गांव भेजा गया शव

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पोस्टमार्टम हाउस पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के दौरान थाना उत्तर, थाना नसीरपुर और थाना शिकोहाबाद की पुलिस टीम मुस्तैद रही। किसी भी अप्रिय घटना या हंगामे की आशंका को टालने के लिए पुलिस के उच्च अधिकारियों के निर्देशन में पूरा इलाका छावनी में तब्दील रहा। पोस्टमार्टम की कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद नसीरपुर और शिकोहाबाद पुलिस की कड़ी सुरक्षा घेरे में युवती के शव को उसके पैतृक गांव ले जाया गया।

पुलिस की रडार पर होटल संचालक

शिकोहाबाद। हाईवे स्थित मईयामई गांव के समीप दुकाननुमा कमरों में अवैध रूप से संचालित होटल का स्टाफ घटना के तुरंत बाद ताला बंद कर फरार हो गया। होटल के कमरे में युवती की हालत बिगड़ने या मौत होने पर संचालक ने पुलिस को कोई सूचना तक नहीं दी। स्थानीय लोगों के अनुसार एक व्यावसायिक इमारत में बने इन छोटे-छोटे दुकाननुमा कमरों को प्रेमी जोड़ों को घंटों के हिसाब से किराए पर दिया जाता था। बिना किसी वैध आईडी या इंद्राज के अवैध रूप से चल रहे इस होटल संचालक पर अब पुलिस का शिकंजा कसना तय माना जा रहा है।

हिस्ट्रीशीटर की हत्या के मामले में गिरी गाज, हेड कांस्टेबल सस्पेंड ; आठ पर एफआईआर, गिरफ्तारी एक भी नहीं

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या में हिस्ट्रीशीटर राम लगन मौर्य की हत्या के मामले में पुलिस की लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई हुई है। पूराकलंदर थाने में तैनात हेड कांस्टेबल अशोक सिंह को एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने सस्पेंड कर दिया है।

25 अगस्त को पूराकलंदर थाना क्षेत्र के कन्दैला गांव में गोली व बमबाजी कर हिस्ट्रीशीटर राम लगन मौर्य की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में राजमणि सिंह समेत आठ आरोपियों के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है।

हत्याकांड के बाद अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी न होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

राखी की थाली लेकर निकली यशी, अचानक धंस गया आंगन... 22 फीट गहरे गड्ढे में गिरकर मौत

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। रक्षाबंधन के त्योहार पर कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र के पुरवामीर गांव में दर्दनाक हादसा हो गया। यहां घर के आंगन में अचानक जमीन धंसने से यशी सविता (18) करीब 20 से 22 फीट गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। कई घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद यशी को बाहर निकाला गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों के मुताबिक, रक्षाबंधन के दिन घर में त्योहार की तैयारियां चल रही थीं। यशी पूजा की थाली लेकर घर से बाहर आंगन की तरफ निकली थी। बताया जा रहा है कि वह बाथरूम से निकलकर अपने माता-पिता को बुलाने जा रही थी। इसी दौरान अचानक आंगन की जमीन धंस गई। देखते ही देखते यशी मिट्टी के साथ गहरे गड्ढे में समा गई। घटना के बाद परिवार के लोगों ने शोर मचाया। यशी को बचाने के लिए आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। हादसे की सूचना मिलते ही महाराजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की टीम को भी बुलाया गया। शुरुआत में ग्रामीणों ने अपने स्तर पर युवती को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन गड्ढा काफी गहरा होने के कारण रेस्क्यू में मुश्किल आई। बाद में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीमों ने बेहद सावधानी के साथ गड्ढे के आसपास खुदाई की, ताकि मिट्टी दोबारा न धंसे और युवती तक सुरक्षित पहुंचा जा सके। रेस्क्यू टीमों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद करीब 22 फीट तक खुदाई की। इसके बाद यशी को गड्ढे से बाहर निकाला गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

रक्षाबंधन पर बहनों का दर्द : मुफ्त सफर की सौगात तो मिली, लेकिन बसें नहीं, बेवर बस स्टैंड का देखें हाल

आर्यावर्त संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी के बेवर में रक्षाबंधन पर बहनों को मुफ्त बस यात्रा का तोहफा तो मिला, लेकिन बसों की कमी और यात्रियों की बेतहाशा भीड़ ने यह सुविधा मुसीबत में बदल दी। बेवर बस स्टैंड पर रक्षाबंधन से एक दिन पहले और त्योहार के दिन बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और पुरुष बसों के इंतजार में घंटों खड़े रहे। दो से तीन घंटे इंतजार के बाद भी यात्रियों को बस में जगह नहीं मिल सकी। बस आते ही सीट पाने के लिए यात्रियों में धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

बस स्टैंड पर सुबह से ही यात्रियों की भीड़ जुटने लगी। जैसे ही कोई रोडवेज बस पहुंचती, उसमें चढ़ने के लिए यात्रियों की भीड़ टूट पड़ती। सीट पाने की होड़ में महिलाएं और बुजुर्ग भी धक्का-मुक्की के बीच बस में प्रवेश करने को मजबूर हुए। बच्चों के साथ सफर कर रहे यात्रियों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ी।

त्योहार पर यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा कई गुना बढ़ गई, लेकिन उसके अनुरूप बसों की उपलब्धता नहीं दिखाई दी। बस स्टैंड पर यात्रियों की लंबी कतारें लगी रहीं। कई यात्री एक बस छूटने के बाद अगली बस के इंतजार में घंटों खड़े रहे। भीड़ अधिक होने के कारण कई यात्रियों को बस में चढ़ने का मौका तक नहीं मिला। रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा से बसों में यात्रियों की संख्या बढ़ गई। ऐसे में अतिरिक्त बसों की व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की जरूरत थी। लेकिन बेवर बस स्टैंड पर यात्रियों को अव्यवस्था का सामना करना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को हुई।

हरदोई में मकान के अंदर मिला हैंड ग्रेनेड...लोगों में फैली दहशत ; गांव पहुंची पुलिस

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई के हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के जोधनपुरवा गांव में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक घर के अंदर पॉलीथिन में लिपटा संदिग्ध हैंड ग्रेनेड मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। हैंड ग्रेनेड गांव के रहने वाले सतीश के घर के अंदर मिला। विस्फोटक को देखते ही ग्रामीणों में दहशत फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हैरानी की बात यह रही कि कुछ लोग खतरे से अनजान होकर हैंड ग्रेनेड को देखने और उसके आसपास जुटने लगे। जानकारी के अनुसार, रात में किसी अज्ञात व्यक्ति ने पॉलीथिन सतीश के घर के अंदर फेंकी थी, जिसे सामान्य सामान समझकर बाहर कर दिया गया था। सुबह पैकेट खुलने पर अंदर खतरनाक वस्तु देखकर परिवार के होश उड़ गए। फिर पुलिस को इसकी सूचना दी गई। इसके बाद डायल-112 पुलिस करीब 10 मिनट में मौके पर पहुंची। इसके बाद इलाके को सुरक्षित करने की कार्रवाई शुरू की गई। वहीं पुलिस ने ग्रामीणों को संदिग्ध वस्तु से दूर रहने की हिदायत दी और मामले की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ते को सूचना दी। सीओ प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि डायल-112 पुलिस को गांव में हैंड ग्रेनेड मिलने की सूचना मिली थी। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर हैंड ग्रेनेड की जांच और उसे निष्क्रिय करने की कार्रवाई में जुटा है। प्रवीण कुमार यादव ने प्रवीण कुमार यादव ने कहा कि ये बड़ा सवाल है कि आखिर यह हैंड ग्रेनेड घर के अंदर कैसे पहुंचा और इसे किसने फेंका? पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कुएं में डूबकर सगे भाइयों की मौत, मोटर निकालने उतरे थे दोनों, छोटे को बचाने में बड़े भाई ने भी गंवाई जान

आर्यावर्त संवाददाता

उरई। उरई जिले में कैलिया थाना क्षेत्र के करियावली गांव में शुक्रवार को कुएं में मोटर निकालने उतरे दो सगे भाइयों की पानी में डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। गांव के किनारे फूल सिंह कुशवाहा (65) और उनके छोटे भाई राम लखन कुशवाहा (55) का खेत है।

खेत में करीब 60 फीट गहरा कुआं है, जिससे पानी निकालने के लिए मोटर लगी थी। बारिश के कारण कुएं में पानी बढ़ने से मोटर पानी में डूबने लगी। इसे निकालने के लिए राम लखन रस्सी के सहारे कुएं में उतरे, लेकिन वह पानी में डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए बड़े भाई फूल सिंह भी कुएं में उतर गए।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

इसी दौरान दोनों गहरे पानी में डूब गए। हादसे की सूचना पर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। डायल 112 और फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंची। ग्रामीणों की मदद से दोनों के शव कुएं से बाहर निकाले गए। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रक्षाबंधन पर रोडवेज की व्यवस्थाएं ध्वस्त : बसों के लिए तरसीं बहनें, घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिली सीट

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जहां एक ओर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए उत्सुक हैं, वहीं दूसरी ओर यूपी रोडवेज की लचर व्यवस्था ने उनकी खुशियों पर पानी फेर दिया है। फिरोजाबाद बस स्टैंड पर बसों की भारी किल्लत के चलते दूर-दराज जाने वाली महिला यात्रियों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ रहा है।

शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवसर पर सुबह से ही फिरोजाबाद बस स्टैंड पर बहनों और उनके परिवारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सरकार द्वारा महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा का दावा तो किया गया, लेकिन स्टैंड पर पर्याप्त बसें न होने से यह दावा हवाई साबित हो रहा है। बस स्टैंड पर घंटों इंतजार करने के बाद भी यात्रियों को बसें नसीब नहीं हो पा रही हैं।

प्रमुख रूटों पर बुरा हाल

फिरोजाबाद बस अड्डे से आगरा, मथुरा, इटावा, कानपुर, मैनपुरी, बरेली, औरैया और फर्रुखाबाद जैसे प्रमुख रूटों पर जाने वाली बसों का अकाल पड़ा हुआ है। जो बसें आ भी रही हैं, वे पहले से ही ठसाठस भरी हुई हैं। आलम यह है कि चलती बसों में चढ़ने के लिए महिलाओं और बच्चों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

यात्रियों में बढ़ा आक्रोश

घंटों से भीषण गर्मी और धूप में बस का इंतजार कर रही महिलाओं का गुस्सा रोडवेज प्रशासन के खिलाफ फूट रहा है। यात्रियों का कहना है कि रक्षाबंधन जैसे बड़े त्योहार पर परिवहन निगम को अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करनी चाहिए थी। बसों के न मिलने से कई बहनें समय पर अपने भाइयों के घर पहुंचने को लेकर चिंतित हैं। वहीं, मजबूरी में कई यात्री डग्गामार और निजी वाहनों में भारी किराया देकर सफर करने को मजबूर हैं।

किडनी देकर बचाई भाई की जान, हो चुकी थी 40 डायलिसिस ; मुकेश शर्मा को मौत के मुंह से खींच लाई बहन सुशीला

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र की कामना के साथ उनकी कलाई पर राखी बांधती हैं लेकिन दोघट की सुशीला ने भाई मुकेश शर्मा की जिंदगी बचाने के लिए अपनी एक किडनी दे दी। आठ साल पहले सिरदर्द और ब्लड प्रेशर बढ़ने की समस्या के बाद मुकेश की दोनों किडनियां खराब हो गई थीं। करीब एक साल तक डायलिसिस के बाद जब किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ी तो पत्नी की किडनी उपयुक्त नहीं मिली, ऐसे में बहन ने आगे बढ़कर भाई के लिए किडनी दी।

दोघट निवासी मुकेश शर्मा सरधना ब्लॉक के एक पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक हैं। उनकी शादी वर्ष 2004 में मोनिका से हुई थी। उनके दो बच्चे पार्थ और दिव्यांशु हैं। उनको वर्ष 2011 से लगातार सिरदर्द और ब्लड प्रेशर बढ़ने की शिकायत रहने लगी। निजी चिकित्सक से

उपचार के बाद भी उनकी हालत बिगड़ती गई। धीरे-धीरे दोनों किडनियां खराब हो गईं। इसके बाद उन्हें नियमित डायलिसिस करानी पड़ी। बीमारी के गंभीर दौर में करीब एक साल तक उनकी डायलिसिस हुई। 40 से अधिक बार डायलिसिस होने के कारण उनकी शारीरिक स्थिति कमजोर होती गई।

चिकित्सकों ने किडनी ट्रांसप्लांट ही स्थायी उपचार बताया। परिवार ने पहले पत्नी मोनिका की किडनी ट्रांसप्लांट कराने के लिए जांच कराई लेकिन उनका ब्लड ग्रुप मिलान नहीं हुआ और वह मुकेश के लिए उपयुक्त नहीं पाई गई। भाई की बिगड़ती हालत देखकर बड़ी बहन सुशीला ने किडनी देने का निर्णय लिया। जरूरी चिकित्सकीय जांच में उनकी किडनी मुकेश के लिए उपयुक्त पाई गई। इसके बाद वर्ष 2018 में मुकेश की किडनी ट्रांसप्लांट की गई। बहन की किडनी मिलने के बाद उनकी जिंदगी फिर पटरी पर लौटने लगी और परिवार को भी बड़ी राहत मिली।

मुकेश शर्मा कहते हैं कि माता-पिता के बाद भाई-बहन का ऐसा रिश्ता है, जो मुश्किल समय में सबसे मजबूत रहता है। सुशीला ने मेरे लिए जो किया, उसका अहसान जीवनभर नहीं भूल सकता। वहीं सुशीला कहती हैं कि भाई जैसा संसार में कोई दूसरा रिश्ता नहीं है। माता-पिता के बाद दुख की घड़ी में भाई-बहन को एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। भाई की जिंदगी बचाने का अवसर मिला तो इससे बड़ा सौभाग्य मेरे लिए कुछ नहीं हो सकता। परिवार के लिए रक्षाबंधन अब सिर्फ राखी बांधने का पर्व नहीं बल्कि उस रिश्ते के त्याग और समर्पण को याद करने का अवसर है, जिसने मुश्किल समय में भाई को जीवन की नई उम्मीद दी।

एक वैक्सीन का डबल कमाल, हार्ट और ब्रेन दोनों के लिए बन सकती है सुरक्षा कवच

अध्ययन में पाया गया है कि शिंगल्स रोग की शिंग्रिक्स वैक्सीन लेने वाले बुजुर्गों में कोरोनरी हार्ट डिजीज का खतरा करीब 10% और हार्ट फेलियर का जोखिम 12% तक कम देखा गया। ये पुरुषों स्ट्रोक से बचाने में कारगर पाी गई है।

दुनियाभर में जिन बीमारियों के कारण सबसे ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है, हृदय रोग उनमें सबसे प्रमुख है। हाल के वर्षों में आपने भी कम उम्र के लोगों में हार्ट अटैक-हार्ट फेलियर के बढ़ते मामले जरूर नोटिस किए होंगे। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दिल की समस्याओं से बचे रहने के लिए लाइफस्टाइल और खान-पान में सुधार करना सबसे जरूरी है। पर अक्सर लोगों के मन में एक सवाल रहता है कि क्या कोई ऐसी वैक्सीन है जो हार्ट अटैक और दिल की बीमारियों से होने वाली मौत को कम कर सके?

इसी को लेकर एक हालिया अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बड़ी जानकारी साझा की है। अध्ययन में पाया गया है कि शिंगल्स रोग से बचाने के लिए दी जाने वाली शिंग्रिक्स वैक्सीन कुछ लोगों में हार्ट अटैक, स्ट्रोक के खतरे कम को करने में मदद कर सकती है। इसे पहले के अध्ययनों में डिमेंशिया से बचाने वाला भी पाया गया है। शिंगल्स या हर्पीज जोस्टर एक वायरल संक्रमण है जो शरीर पर दर्दनाक फफोले और चकत्ते पैदा करता है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि शिंगल्स से बचाव के लिए दी जाने वाली वैक्सीन शिंग्रिक्स लेने वाले लोगों में कुछ गंभीर हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम भी कम हो सकता है। तो क्या ये हार्ट अटैक के खतरे को कम करने की दिशा में बड़ी राहत हो सकती है?

कोरोनरी हार्ट डिजीज से बचाने वाली वैक्सीन

अमेरिका में 60 से अधिक उम्र के 70 हजार से अधिक लोगों पर किए गए अध्ययन में पाया गया है है कि शिंग्रिक्स लेने वालों में कोरोनरी हार्ट डिजीज का जोखिम करीब 10 प्रतिशत और हार्ट अटैक-फेलियर का जोखिम करीब 12 प्रतिशत कम देखा गया।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैक्सीन के फायदे बुजुर्गों में देखे गए हैं। अगर 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को यह वैक्सीन दी जाए, तो बड़ी संख्या में गंभीर हृदय रोगों और उनसे होने वाली मौतों को रोका जा सकता है। यह खबर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पहले हुए अध्ययनों में शिंगल्स की वैक्सीन को डिमेंशिया के खतरे को कम करने वाला भी पाया गया है। इस बीमारी में याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है

शिंगल्स रोग के बारे में जानिए?

गौरतलब है कि शिंगल्स एक दर्दनाक बीमारी है। यह उसी वायरस के दोबारा सक्रिय होने से होती है, जो बचपन में चिकनपॉक्स यानी चेचक जैसी बीमारी का कारण बनता है।

चिकनपॉक्स ठीक होने के बाद भी यह वायरस शरीर में छिपा रह सकता है और कई साल बाद दोबारा सक्रिय होकर शिंगल्स पैदा कर सकता है।

उम्र बढ़ने के साथ शिंगल्स ज्यादा गंभीर हो सकता है। इससे लंबे समय तक नसों में दर्द बना रहता है।

कुछ मामलों में इससे सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है और आंखों की रोशनी तक जाने का खतरा रहता है।

शिंगल्स से बचाव के लिए शिंग्रिक्स और कुछ जगहों पर जोस्टावैक्स वैक्सीन दी जाती है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में पाया कि शिंग्रिक्स वैक्सीन लेने वालों में दिल और रक्त वाहिकाओं से जुड़ी बड़ी जटिलताओं का खतरा 12 प्रतिशत तक कम हो सकता है।

इस अध्ययन के मुख्य शोधकर्ता और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के मनोचिकित्सा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ। मैक्सिम ताके कहते हैं, अगर आगे होने वाली क्लिनिकल ट्रायल में भी ये नतीजे सही साबित होते हैं, तो यह ऐसी पहली वैक्सीन हो सकती है जो दिल और दिमाग दोनों की सुरक्षा में मदद करती हो।

अध्ययन में क्या पता चला?

'नेचर मेडिसिन' जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में 60 साल से अधिक उम्र के 70 हजार से ज्यादा लोगों मेडिकल डेटा का विश्लेषण किया गया।

शोधकर्ताओं ने करीब सात साल तक प्रतिभागियों की सेहत पर लगातार नजर रखी।

शोध में पाया गया कि शिंग्रिक्स लेने वाले लोगों में कोरोनरी हार्ट डिजीज का खतरा करीब 10 प्रतिशत कम था।

कोरोनरी हार्ट डिजीज का मतलब ऐसी स्थिति से है जिसमें दिल तक खून पहुंचाने वाली नसों में चर्बी जमने लगती है और खून का प्रवाह कम हो सकता है। इससे हार्ट अटैक और हार्ट फेलियर का खतरा बढ़ सकता है।

शिंग्रिक्स लेने वालों में अगले सात साल के दौरान हार्ट फेलियर का खतरा भी करीब 12 प्रतिशत कम देखा गया।

यह फायदा पुरुषों और महिलाओं दोनों में दिखाई दिया। पुरुषों में स्ट्रोक से बचाने में भी इस वैक्सीन के फायदे देखे गए।

हालांकि, अभी इस संबंध को पूरी तरह साबित करने के लिए कई क्लिनिकल ट्रायल चल रहे हैं।

वैक्सीन दिल को कैसे फायदा पहुंचा सकती है?

शोधकर्ताओं ने बताया कि शिंग्रिक्स वैक्सीन शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को उस वायरस को पहचानना और उससे लड़ना सिखाती है, जो शिंगल्स का कारण बनता है। लेकिन इस वैक्सीन में कुछ ऐसे पदार्थ भी होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय करने में मदद करते हैं।

रीडिंग यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर इयान जोन्स का मानना है कि प्रतिरक्षा प्रणाली को मिलने वाला यह अतिरिक्त किक, शरीर में लंबे समय से चल रही सूजन को भी कम करने में मदद कर सकता है।

शरीर में लंबे समय तक रहने वाली ऐसी हल्की सूजन आगे चलकर नसों, दिमाग और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ा सकती है।

अध्ययनकर्ता कहते हैं, यह शोध शिंगल्स वैक्सीन के स्पष्ट फायदे को मजबूत करती है। साथ ही इससे यह संकेत भी मिलता है कि उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कई बीमारियों में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली की भूमिका हो सकती है।

पैंक्रियाज कैसे करता है काम? इसकी बिगड़ी हेल्थ के क्या हैं लक्षण, कब हो जाता है कैंसर?

पैंक्रियाज शरीर का बहुत ही छोटा सा अंग है लेकिन अगर इसकी हेल्थ बिगड़ जाए तो इंसान की डेथ भी हो सकती है। डॉक्टर के जरिए जानें पैनक्रियाज कैसे काम करता है। इसकी हेल्थ बिगड़े तो क्या लक्षण नजर आते हैं।

यूनाइटेड स्टेट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने पैंक्रियाटिक कैंसर के इलाज में काम आने वाली एक ड्रग रासोंक को मंजूरी दे दी है। इसके जरिए कैंसर से सरवाइवल और थोड़ा बढ़ सकता है। इसे बनाने वाली कंपनी का नाम रिवोल्यूशन मेडिसिन है। इसके ट्रायल में सामने आया कि ये बड़ी हुई स्टेज में पेशेंट के जीवित रहने की दर को करीब-करीब दोगुना करने में सफल रही। एक महीने की दवा की कीमत डॉलर में करीब 39000 है और भारत में ये लगभग 38 लाख रुपये की पड़ेगी।

पर क्या आप जानते हैं कि लिवर और गॉल ब्लैडर के बीच, पेट के पीछे कहीं दुबका हुआ पैनक्रियाज चुपचाप अपना काम करता रहता है। न इसका शोर, न इसकी चर्चा – लेकिन शरीर की सबसे जरूरी दो चीजें, पाचन और ब्लड शुगर, इसी छोटे से अंग के भरोसे टिकी होती हैं। एक्सपर्ट से जानें इससे जुड़ी कई जरूरी बातें

शरीर के लिए बेहद जरूरी है पैनक्रियाज

डॉक्टर कपिल कुमार कुरसिवाल (सीनियर एडवाइजर, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी एवं ऑन्कोलॉजी, धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल) का कहना है कि पैनक्रियाज यानी अग्न्याशय, दिखने में भले ही छोटा अंग हो, लेकिन शरीर के लिए इसका काम बहुत बड़ा है। यह पेट के पीछे छिपा बैठा अंग दो अहम मोर्चों पर काम करता है। ये खाना पचाने में मदद करता है और ब्लड शुगर को काबू में रखने में अहम रोल निभाता है। जब इसमें कुछ गड़बड़ होने लगती है, तो असर पाचन से लेकर शुगर लेवल तक, दोनों जगह दिख सकता है।

कैसे अपना वजूद कायम रखता है पैंक्रियाज

पैंक्रियाज अकेले काम नहीं करता। इसका रस लिवर और गाल ब्लैडर से निकलने वाले पित्त (बाइल) के साथ मिलकर एक ही रास्ते से छोटी आंत में पहुंचता है। यानी तीनों अंग एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, फिर भी अपनी-अपनी पहचान अलग रखते हैं। लिवर खून को साफ करने और पित्त बनाने में व्यस्त रहता है, गाल ब्लैडर उस पित्त को जमा करके सही वक्त पर छोड़ने का काम करता है, और पैनक्रियाज बीच में रहकर एंजाइम और हार्मोन का पूरा हिसाब-किताब संभालता है।

यही वजह है कि जब इन तीनों में से किसी एक अंग में गड़बड़ी आती है- चाहे पित्त की पथरी हो या पैंक्रियाज में सूजन- तो असर बाकी अंगों पर भी दिखने लगता है। शरीर के अंदर यह तालमेल इतना बारीक है कि एक अंग की तकलीफ दूसरे की सेहत को हिला सकती है।

कैसे पता चले कि पैंक्रियाज में कुछ गड़बड़ है?

लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि समस्या कितनी गंभीर है। पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द जो कई बार पीठ तक फैल जाए, पाचन बिगड़ना, जी मिचलाना या उल्टी होना, भूख कम लगना और अचानक वजन घटने लगना – इन्हें हल्के में लेने की गलती नहीं करनी चाहिए।

कुछ लोगों में त्वचा या आंखें पीली पड़ने लगती हैं यानी पीलिया हो जाता है, पेशाब का रंग गहरा हो जाता है और मल हल्के रंग का आने लगता है। यहां एक बात साफ समझ लें, ये लक्षण दिखने का मतलब यह नहीं कि तुरंत कैंसर ही है। ये कई और बीमारियों में भी हो सकते हैं।

पैंक्रियाटाइटिस आखिर है क्या?

जब पैंक्रियाज में सूजन आ जाती है, तो उसे पैंक्रियाटाइटिस कहते हैं। यह अचानक भी हो सकता है और लंबे समय तक चलने वाला यानी क्रॉनिक भी। अगर सूजन लंबे समय तक बनी रहे, तो अंग को नुकसान पहुंच सकता है, और कुछ मामलों में यह आगे चलकर कैंसर के खतरे से भी जुड़ जाती है। यही वजह है कि बार-बार पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द होना, पाचन की दिक्कत लगातार बने रहना या बेवजह वजन गिरना – इन्हें सिर्फ गैस या अपच समझ कर टाल देना ठीक नहीं।

पैंक्रियाज की समस्या का कैंसर में बदलना

डॉक्टर ने बताया यह जरूरी नहीं कि पैनक्रियाज से जुड़ी हर दिक्कत कैंसर में ही बदले। कैंसर तब शुरू होता है जब पैंक्रियाज की कोशिकाओं में ऐसे बदलाव आने लगते हैं जिससे वे बेकाबू होकर बढ़ने और बंटने लगती हैं। पैंक्रियाज के ज्यादातर कैंसर एक्सोक्राइन कोशिकाओं से शुरू होते हैं, और इनमें सबसे आम है पैंक्रियाटिक एडेनोकार्सिनोमा।

खतरा बढ़ाने वाले कारणों में धूम्रपान, ज्यादा वजन, क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस, डायबिटीज की पुरानी हिस्ट्री और परिवार में किसी को पहले पैंक्रियाज कैंसर होना शामिल है। कुछ जेनेटिक स्थितियां भी खतरा बढ़ा सकती हैं।

पैंक्रियाज कैंसर की सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि शुरुआती स्टेज में इसके लक्षण साफ नजर नहीं आते। बहुत से लोगों को शुरुआत में कोई खास तकलीफ महसूस ही नहीं होती। जब तक लक्षण दिखने लगते हैं, तब तक बीमारी काफी आगे बढ़ चुकी हो सकती है।

बिना किसी वजह वजन गिरना

भूख लगातार कम होना
पेट या पीठ में दर्द रहना
पीलिया
पेशाब का गहरा रंग
मल का फीका रंग

इन संकेतों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। कुछ लोगों में अचानक डायबिटीज शुरू हो जाना या पुरानी डायबिटीज का अचानक बेकाबू हो जाना भी पैंक्रियाज से जुड़ी समस्या का इशारा हो सकता है, हालांकि सिर्फ इस एक लक्षण से कैंसर की पुष्टि नहीं होती।

डॉक्टर के पास कब जाना चाहिए?

अगर पेट में दर्द बार-बार या लगातार बना रहे, वजन बिना वजह गिर रहा हो, पीलिया दिख रहा हो, पाचन की दिक्कत लंबे समय से चल रही हो, या ब्लड शुगर में अचानक उतार-चढ़ाव आ रहा हो, तो देर न करें और डॉक्टर को दिखाएं। जरूरत के हिसाब से डॉक्टर ब्लड टेस्ट, सीटी या एमआरआई जैसी इमेजिंग जांच करवा सकते हैं। अगर कैंसर की आशंका पक्की करनी हो, तो कुछ मामलों में बायोप्सी भी करानी पड़ सकती है।

बच्चों की सुरक्षा से जुड़े आरोपों के निपटारे के लिए मेटा 16.68 अरब डॉलर तक का करेगी भुगतान, फेसबुक और इंस्टाग्राम में होंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स ने अमेरिका के कई राज्यों द्वारा दायर उस बड़े मामले के निपटारे पर सहमति जताई है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि फेसबुक और इंस्टाग्राम को बच्चों और किशोरों के लिए लत लगाने वाला बनाया गया, प्लेटफॉर्म की सुरक्षा को लेकर उपयोगकर्ताओं को गुमराह किया गया और नाबालिगों का व्यक्तिगत डेटा अनुचित तरीके से एकत्र किया गया। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, इस समझौते के तहत मेटा 16.68 अरब डॉलर तक का भुगतान करेगी।

यह समझौता कैलिफोर्निया की एक संघीय अदालत में चल रहे मुकदमे के दौरान हुआ, जिसमें 29 अमेरिकी राज्यों ने मेटा के खिलाफ दावे किए थे। इस समझौते के साथ बच्चों और किशोरों पर सोशल मीडिया के प्रभाव से जुड़े सबसे चर्चित कानूनी मामलों में से एक का अंत हो गया है।

समझौते के तहत मेटा अमेरिका में फेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग करने वाले किशोरों के लिए कई नए सुरक्षा उपाय लागू करेगी, जिनमें दैनिक उपयोग समय की सीमा निर्धारित करना और रात के समय प्लेटफॉर्म तक पहुंच पर प्रतिबंध जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं।

हालांकि मेटा ने समझौते के बावजूद किसी भी प्रकार की गलती या कानूनी जिम्मेदारी स्वीकार करने से इनकार किया है।

समझौते की खबर सामने आने के बाद निवेशकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली और बाजार खुलने से पहले के कारोबार में मेटा के शेयर लगभग 4.4 प्रतिशत तक चढ़ गए।

मामले में आरोप लगाया गया था कि मेटा ने कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी के उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का उल्लंघन किया। राज्यों का यह भी दावा था कि कंपनी ने बाल ऑनलाइन गोपनीयता संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन करते हुए ऐसे उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की, जिनके बारे में उसे पता था कि वे बच्चे हैं, लेकिन इस संबंध में अभिभावकों को न तो पर्याप्त सूचना दी गई और न ही उनकी अनुमति ली गई।

मुकदमे में यह आरोप भी शामिल था कि कंपनी ने बच्चों के डेटा का उपयोग मशीन लर्निंग और जनरेटिव एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए किया।

मेटा ने पूरे मामले के दौरान इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि उसने अपने मंचों पर युवा उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए व्यापक कदम उठाए हैं। कंपनी का यह भी तर्क था कि वह अपने मंचों को लत लगाने वाला बताकर उपभोक्ताओं को गुमराह नहीं कर सकती, क्योंकि सोशल मीडिया की लत को औपचारिक रूप से मनोरोग संबंधी स्थिति के रूप में मान्यता नहीं दी गई है।

मुकदमे की सुनवाई शुरू होने से पहले मेटा ने कहा था कि कुछ राज्य उस पर 1.4 ट्रिलियन डॉलर तक के दंड की मांग कर रहे हैं, हालांकि राज्यों ने बाद में संकेत दिया था कि वास्तविक राशि लगभग 200 अरब डॉलर के करीब हो सकती है।

इसके अलावा, राज्य सरकारें अतिरिक्त मुआवजे और ऐसे न्यायिक आदेश भी चाहती थीं, जिनसे मेटा को अपने मंचों में बड़े बदलाव करने पड़ते और संभवतः बच्चों के लिए खाते बनाना भी कठिन हो सकता था।

यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दुनिया भर में बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के प्रभाव को लेकर बहस तेज है।

मेटा के अलावा स्नैप, अल्फाबेट (यूट्यूब की मूल कंपनी) और बाइटडांस (टिकटॉक की मूल कंपनी) भी हजारों मुकदमों का सामना कर रही हैं। इन मामलों में आरोप लगाया गया है कि इन प्लेटफॉर्म्स को जानबूझकर ऐसे फीचर्स के साथ तैयार किया गया, जो बच्चों और किशोरों को लंबे समय तक स्क्रीन पर बनाए रखने और अत्यधिक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

सितंबर में अमेरिका दौरे पर जा सकते हैं पीयूष गोयल, जी-20 बैठक के दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर से हो सकती है अहम वार्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सितंबर के अंत में अमेरिका की यात्रा पर जा सकते हैं। प्रस्तावित दौरे का मुख्य उद्देश्य जी-20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में भाग लेना है, लेकिन यह यात्रा भारत और अमेरिका के बीच चल रही द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं के संदर्भ में भी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित यात्रा के दौरान पीयूष गोयल की मुलाकात अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर से भी हो सकती है। यह बैठक जी-20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के इतर होने की संभावना है। माना जा रहा है कि दोनों पक्ष इस अवसर का उपयोग व्यापार समझौते से जुड़े लंबित मुद्दों की समीक्षा और समाधान के लिए कर सकते हैं।

भारत और अमेरिका पिछले कुछ समय से व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत कर रहे हैं। दोनों देशों का लक्ष्य बाजार पहुंच बढ़ाना, व्यापारिक बाधाओं को कम करना और आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाना है। वर्तमान में वार्ता एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुकी है और ऐसे में मंत्री स्तर की बातचीत आगे की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

चर्चाओं के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार किया गया है, जिनमें शुल्क दरें, वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार में बाजार पहुंच तथा विभिन्न व्यापारिक बाधाएं शामिल हैं। दोनों देश ऐसी व्यवस्था की तलाश में हैं जो उनके-अपने आर्थिक और व्यापारिक हितों को संतुलित तरीके से आगे बढ़ा सके।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत के लिए अमेरिकी बाजार तक बेहतर पहुंच एक प्रमुख प्राथमिकता है, विशेषकर उन क्षेत्रों के लिए जिनमें निर्यात की बड़ी संभावनाएं हैं। वहीं अमेरिका भारतीय बाजार में अपने उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर चाहता है। इसी कारण दोनों देशों के बीच वार्ता कई संवेदनशील और रणनीतिक मुद्दों पर केंद्रित रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पीयूष गोयल और जेमीसन ग्रीर के बीच संभावित बैठक से उन मुद्दों पर प्रगति हो सकती है जिन पर अभी तक पूर्ण सहमति नहीं बन पाई है। साथ ही यह भी आकलन किया जा सकता है कि दोनों देश अंतिम समझौते के कितने करीब पहुंच चुके हैं।

जी-20 व्यापार मंत्रियों की बैठक पीयूष गोयल को अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के व्यापार मंत्रियों के साथ भी बातचीत का अवसर देगी। इस दौरान वैश्विक व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, निवेश और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग से जुड़े व्यापक मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

सितंबर में प्रस्तावित यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब नई दिल्ली और वाशिंगटन दोनों ही द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना चाहते हैं। इसलिए सितंबर में होने वाली संभावित बातचीत को भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। इसके नतीजे से प्रस्तावित व्यापार समझौते की रूपरेखा और समयसीमा को लेकर अधिक स्पष्टता सामने आ सकती है।

00

सोना बढ़त के साथ खुला, चांदी का दाम 2 .40 लाख के पार

मुंबई, एजेंसी। सोने और चांदी की शुरुआत गुरुवार को तेजी के साथ हुई। हालांकि, दोनों कीमती धातुओं का दाम एक सीमित दायरे में बना हुआ है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,59,663 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 836 रुपए की तेजी के साथ 1,60,499 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

यह सुबह 9:45 पर 468 रुपए या 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,60,131 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

शुरुआती कारोबार में सोने ने 1,59,954 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,60,898 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था।

चांदी में भी खरीदारी देखी जा रही है।

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिग 2,39,638 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 3,361 रुपए की मजबूती के साथ 2,42,999 रुपए प्रति किलो पर खुला।

शुरुआती कारोबार में इसमें मुनाफावसूली देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक यह 923 रुपए या 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,40,561 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक कारोबार में सोने ने 2,40,429 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,42,999 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ था। जानकारों के मुताबिक, अमेरिका में महंगाई लगातार फेड के लक्ष्य 2 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। इससे फेड की ओर से ब्याज दर बढ़ने की संभावना बनी हुई है। वहीं, बॉन्ड यील्ड कम हैं, जिससे सोने एक सीमित दायरे में बना रह सकता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। सोना 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,678 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 68.98 डॉलर प्रति औंस पर था।

भूकंप के बाद तिब्बत में एक और झील टूटी, नेपाल में फिर जलप्रलय का खतरा, पूरे देश में अलर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के लिए मुसीबतों का दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। चीन में भूकंप आने के बाद से एक और भीषण बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। अलर्ट जारी किए जाने के बाद नेपाल में धादिंग और नुवाकोट में रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया। तिब्बत में भी नई आपदा को देखते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया है। नेपाली पीएम शाह ने पूरे देश को अलर्ट मोड पर रहने को कहा है।

चीन के सिचुआन प्रांत में आज शुक्रवार सुबह साढ़े 11 बजे के करीब 5।1 की तीव्रता का तेज भूकंप आया। भूकंप के बाद चीन ने नेपाल को अलर्ट किया। लेकिन इस भूकंप की वजह से चीन की शुओकेन नदी और पोइक त्सांगपो नदी के संगम पर बनी एक बड़ी झील टूट गई। एक बार फिर नेपाल पर भीषण बाढ़ का खतरा

मंडरा रहा है। लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया है।

तिब्बत में बाढ़ के बाद बनी बैरियर झील टूट गई है, जिससे भोटे कोशी नदी के जरिए नेपाल की ओर एक और जोरदार बहाव आने का खतरा मंडराने लगा है। स्थानीय अधिकारियों ने भोटे कोशी, त्रिशूली और नारायणी नदियों के किनारे रहने वाले लोगों से पूरी तरह सतर्क रहने को कहा है।

PM बालेन शाह ने पूरे देश को किया अलर्ट

नेपाल के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने बताया कि पीएम बालेन शाह ने तत्काल पूरे नेपाल को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। नेपाली प्रशासन लगातार चीन के संपर्क में है। उन्होंने बताया कि एक और भीषण बाढ़ के खतरे को देखते हुए सभी सुरक्षाकर्मियों को तत्काल सर्च आपरेशन रोकने के निर्देश दिए गए हैं। नेपाल में रसुवा जिला प्रशासन ने नदी के किनारे रहने वाले लोगों से बहुत अधिक सतर्क रहने को कहा है, क्योंकि चीन की तरफ़ से यह जानकारी मिली है कि झील टूट गई है।

चीन में बाढ़ से 600 लापता, 260 विदेशी भी

इस बीच नेपाल पर लगातार संकट बना हुआ है। नेपाल के ऊपर 5 हजार करोड़ लीटर का एक और विनाशकारी वॉटर बम फट सकता है। नेपाल में बड़ी संख्या में लोग लापता है तो चीन में भी करीब 600 लोग लापता बताए जा रहे हैं जिसमें 100 से अधिक चीनी नागरिक है जबकि शेष विदेशी पर्यटक हैं। चीन की सरकारी मीडिया ने तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में 3 लोगों की मौत और 558 लोगों के लापता होने की खबर दी, जिनमें 260 विदेशी नागरिक भी हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि नेपाल की तरफ लगभग 100 चीनी नागरिक लापता थे।

3 दिन में 30 लाख क्यूबिक मीटर पानी का अलर्ट

ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने कहा कि नेपाल में छोछेन खोला और पुरेपू त्सांगपो नदियों के संगम के पास एक बड़ी बैरियर लेक बन गई है, जिसका जल आयतन कल गुरुवार सुबह तक 20 लाख घन मीटर अनुमानित है और झील पहले ही ओवरफ्लो हो रही है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार सुबह तक झील में करीब 20 लाख (2 मिलियन) क्यूबिक मीटर पानी जमा हो गया था और यह पहले से ही ओवरफ्लो हो रही थी। सरकारी ब्रॉडकास्टर CCTV की रिपोर्ट के अनुसार, अगले 3 दिनों में झील में और 30 लाख क्यूबिक मीटर पानी आने की उम्मीद है।

सर्बिया से स्वीडन तक... नेपाल में बाढ़ के बाद 30 से ज्यादा देशों के लोग लापता, अकेले अमेरिका के 90 लोग गायब

वॉशिंगटन, एजेंसी। चीन और नेपाल की सीमा से सटे इलाकों में बुधवार को आई अचानक बाढ़ और खतरनाक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। गुरुवार तक कम से कम 469 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। जबकि 1,500 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक, ट्रेकर्स, तीर्थयात्री और कामगार शामिल हैं। ये माउंट कैलाश यानी पवित्र हिंदू स्थलों की यात्रा या ट्रेकिंग के लिए वहां पहुंचे थे। ये इतना ज्यादा भयावह था कि 30 से ज्यादा देशों के लोग लापता हैं।

अलग-अलग देशों ने मौत के अलग-अलग आंकड़े किए जारी

नेपाल के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, देश में मौतों की संख्या बढ़कर 359 हो गई है और 910 लोग अभी भी लापता हैं। इनमें 517 विदेशी नागरिक शामिल हैं। अब तक 50 विदेशियों को हेलीकॉप्टर के जरिए सुरक्षित बचाया जा चुका है। स्थानीय रिपोर्टों में नेशनल इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के हवाले से बताया गया कि लापता लोगों में 113 नेपाली पर्यटक, सेना और पुलिस के 85 सुरक्षाकर्मी, रसुवा जिले के 161 तथा नुवाकोट जिले का एक शख्स शामिल है। अलग-अलग एजेंसियों के आंकड़ों में अंतर इसलिए है क्योंकि डेटा , रिपोर्टिंग और सत्यापन के तरीकों में भिन्नता है। ऐसे में बचाव दल और आंकड़ा जुटाने वालों के बीच तालमेल की कमी बनी हुई है।

चीन की ओर तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में सरकारी मीडिया के मुताबिक, कम से कम तीन लोगों की मौत हुई है और 558 लोग लापता हैं। इनमें से 260 विदेशी बताए गए हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि नेपाल की तरफ करीब 100 चीनी नागरिक भी लापता हैं।

भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 288 भारतीय नागरिकों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। इनमें 73 लोग शामिल हैं जो एक पावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। नेपाल के अधिकारियों ने बताया है कि कई भारतीय पर्यटक तिब्बत में माउंट कैलाश की तीर्थयात्रा पर थे, जो हिंदुओं के लिए एक पवित्र स्थल है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि चीन और नेपाल में 90 अमेरिकी नागरिकों का कोई पता नहीं चल पाया है। विभाग ने कहा कि उसे किसी अमेरिकी नागरिक की मौत की जानकारी नहीं है। तीन अमेरिकियों को बचाया गया है।

मलेशिया के कितने नागरिक लापता?

मलेशिया के बोर्ड ने बताया कि 51 मलेशियाई नागरिक लापता हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 55 यूक्रेनी नागरिक लापता हैं। मंत्रालय ने बताया कि इस संख्या में 47 और 7 लोगों के दो पर्यटक समूह शामिल हैं, साथ ही एक यूक्रेनी महिला भी है जो एक विदेशी टूर ग्रुप के साथ यात्रा कर रही थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने कहा कि 39 ऑस्ट्रेलियाई नागरिक लापता हैं।

किन देशों से कितने लापता?

ब्रिटेन बोर्ड ने बताया कि लापता लोगों में से 33 ब्रिटेन के थे। नेपाल के पर्यटन बोर्ड ने कहा कि लापता लोगों में से 25 कनाडा के थे। दक्षिण कोरियाई सरकारी अधिकारियों ने बताया कि नेपाल में पनबिजली संयंत्र (हाइड्रोपावर प्लांट) बनाने का काम कर रहे 9 नागरिक लापता हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार, सिंगापुर के आठ नागरिक लापता थे। नेपाल के पर्यटन बोर्ड ने कहा कि जर्मनी के 8 पर्यटक लापता थे। नेपाल में रूसी दूतावास ने कहा कि उसके आठ नागरिक लापता हैं।

बोर्ड ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका के 6 नागरिक लापता हैं। बोर्ड ने कहा कि लातविया के छह पर्यटक लापता हैं। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने उन पांच जापानी नागरिकों के बारे में चिंता जाहिर की, जिनके लापता होने की खबर स्थानीय मीडिया ने दी थी। नेपाल के पर्यटन बोर्ड ने बताया कि न्यूजीलैंड के पांच लोग लापता थे। बोर्ड ने कहा कि फ्रांस के चार नागरिक लापता हैं। बोर्ड ने बताया कि बेल्जियम के तीन लोग लापता हैं। बोर्ड ने कहा कि स्पेन के तीन पर्यटक लापता हैं।

बोर्ड ने बताया कि इटली, कजाकिस्तान, पुर्तगाल, आयरलैंड और नीदरलैंड में से प्रत्येक देश के दो-दो लोग लापता हैं। साथ ही 10 और लोग बेलारूस, फिनलैंड, हंगरी, इजराइल, लिथुआनिया, फिलीपींस, बुल्गारिया, स्विट्जरलैंड, सर्बिया और स्वीडन में से हर देश का एक-एक शख्स भी गायब है।

मोहन भागवत का अमेरिका दौरा: कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने किया ममदानी के बयान का समर्थन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने इस कार्यक्रम का विरोध किया था, तो अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने इसके लिए मेयर की तीखी आलोचना की थी। कार्यक्रम से पहले आरएसएस प्रमुख ने लोगों से सतर्क रहने और टकराव से बचने की अपील की है। लेकिन इस बीच सैम पित्रोदा ने ममदानी के बयान का समर्थन किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा ने संघ और उसके कार्यक्रम की आलोचना करने वाले मेयर ममदानी का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ममदानी की बातों में "कुछ सच्चाई" तो है और ये भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवहार

को लेकर चिंता जाहिर करती हैं। साथ ही यह भी कहा कि न्यूयॉर्क में उनकी सभा एक निजी कार्यक्रम है और हर संगठन को ऐसा कार्यक्रम करने का अधिकार है।

पित्रोदा ने समाचार एजेंसी IANS को दिए इंटरव्यू में कहा, "मुझे पता है कि न्यूयॉर्क के मेयर ने अपनी बात रखी है, लेकिन यह एक निजी कार्यक्रम है। और हर किसी को अपना निजी कार्यक्रम करने का अधिकार है। इस तरह के कार्यक्रम में कोई समस्या नहीं है।"

लेकिन जब उनसे यह पूछा गया कि क्या वह संघ के बारे में ममदानी की राय से सहमत हैं, तो पित्रोदा ने कहा कि उन्होंने अपनी निजी राय रखी है। इसके बाद उन्होंने एक धर्मनिरपेक्ष और समावेशी देश के तौर पर भारत के बारे में अपना नजरिया बताया।

पित्रोदा ने कहा, "मुझे लगता है कि ये उनकी निजी राय थी। मैं इस बात से मानता हूं कि मैं धर्मनिरपेक्ष भारत में विश्वास करता हूं। मैं ऐसे भारत में विश्वास करता हूं जहां धर्म, जाति, भाषा या राज्य के आधार पर किसी तरह का कोई भेदभाव न हो।"

समान अधिकारों में विश्वास करता हूं: पित्रोदा

उन्होंने आगे कहा, "मैं उस भारत में विश्वास करता हूं जिसमें हमारे देश के संस्थापकों ने भरोसा किया था। मैं समान अधिकारों में विश्वास करता हूं। मैं सच्चाई में विश्वास करता हूँ। मैं भरोसे में विश्वास करता हूं। मैं प्यार में विश्वास करता हूं, नफरत में नहीं। और मैं समानता में भी विश्वास करता हूं।" कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पित्रोदा का कहना है कि जिस भारत में वह पले-बढ़े, और बड़े हुए, वह हर समुदाय का था। उन्होंने एक गांव में बिताए अपने बचपन को याद किया, जहां अलग-अलग धार्मिक और सामाजिक पृष्ठभूमि वाले परिवार शांति से रहते थे। अपने जीवन से जुड़ी बातों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "आप जानते हैं, मेरा जन्म 1942 में ब्रिटिश राज के दौरान हुआ था। एक छोटे से आदिवासी गांव में, हमारे घर के सामने एक मुस्लिम परिवार रहता था, बाईं ओर जैन परिवार, दाईं ओर सिख परिवार और पीछे एक आदिवासी ओडिया परिवार रहता था। हम सब शांति और सद्भाव से रहते थे, आपस में किसी तरह का कोई झगड़ा नहीं होता था।" सैम पित्रोदा ने उन यादों की तुलना भारत के मौजूदा हालात से की। आज के दौर को लेकर पित्रोदा ने कहा, "आज आपसी झगड़े बहुत बढ़ गए हैं। नफरत बढ़ गई है, डर बढ़ता जा रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि ममदानी ने जो कहा, उसमें कुछ सच्चाई है कि जिस भारत में हम बड़े हुए, वह सभी के लिए था।"

लद्दाख में अब हाई कोर्ट की बेंच, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी, लोगों को न्याय मिलना होगा आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख के पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले आम नागरिकों और मुकदमों के मुवक्किलों के लिए न्याय पाना अब बेहद आसान और सुलभ होने जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख साझा हाई कोर्ट की नियमित बेंच (पीठ) के आयोजन का रास्ता पूरी तरह साफ कर दिया है। गुरुवार को राष्ट्रपति की ओर से जारी किए गए इस नए नियम के तहत अब लद्दाख के वादकारियों (मुकदमेबाजों) को सुनवाई के लिए श्रीनगर या जम्मू के चक्कर काटने से बड़ी राहत मिलेगी। यह निर्णय न केवल न्यायिक सुगमता की दिशा में एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव है,

बल्कि सुदूर सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों को उनके अधिकारों के प्रति सुरक्षा और कानूनी सशक्तिकरण का मजबूत भरोसा भी दिलाता है।

राष्ट्रपति ने 'द यूनियन टेरिटरी ऑफ लद्दाख (सिटिंग ऑफ बेंच ऑफ द हाई कोर्ट ऑफ जम्मू एंड कश्मीर, एंड लद्दाख इन लद्दाख) रेगुलेशन, 2026' को मंजूरी दे दी है। यह विनियमन संविधान के अनुच्छेद 240 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 58(2) के तहत जारी किया गया है। यह विनियमन लद्दाख में साझा हाई कोर्ट की एक पीठ के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

इसके अनुसार, हाई कोर्ट के न्यायाधीश और खंडपीठ लद्दाख में किसी भी स्थान पर बैठ सकते हैं। इस स्थान का निर्धारण मुख्य न्यायाधीश द्वारा लद्दाख के उपराज्यपाल की मंजूरी से किया जाएगा। हालांकि, हाई कोर्ट की मौजूदा प्रधान पीठ में कोई बदलाव नहीं होगा। मुख्य न्यायाधीश को यह अधिकार भी होगा कि वे लद्दाख से संबंधित किसी भी मामले को श्रीनगर या जम्मू में सुनवाई के लिए निर्देशित कर सकें।

राष्ट्रपति ने किस सांविधानिक शक्ति का प्रयोग किया?

राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 240 के तहत अपनी विशिष्ट सांविधानिक शक्ति का प्रयोग किया है। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को कुछ केंद्र शासित प्रदेशों की शांति, प्रगति और सुशासन के लिए विनियमन बनाने का अधिकार देता है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019, अनुच्छेद 240 के साथ मिलकर लद्दाख के संबंध में ऐसे विनियमों का सांविधानिक और वैधानिक आधार प्रदान करता है। अनुच्छेद 240 के तहत शक्ति का प्रयोग करने के लिए संसद के अवकाश में होने की शर्त नहीं है। यह संविधान के अनुच्छेद 123 के तहत राष्ट्रपति के अध्यादेश से अलग है।

विनियमन कब से लागू होगा और इसका क्या महत्व है?

यह विनियमन एक महत्वपूर्ण कानूनी ढांचा है जो लद्दाख में न्याय व्यवस्था को मजबूत करेगा। कानूनी सूत्रों के अनुसार, अनुच्छेद 240 के तहत विनियमन जारी करने से पहले संसद को स्थगित करने की कोई आवश्यकता नहीं होती है। हालांकि, यह विनियमन एक विशिष्ट तिथि से लागू होगा। इस तिथि को लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक द्वारा एक आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से निर्दिष्ट किया जाएगा। यह कदम लद्दाख के लोगों को अपने मामलों की सुनवाई के लिए दूर के स्थानों पर जाने की परेशानी से बचाएगा।

लद्दाख के लिए यह कदम क्यों महत्वपूर्ण है?

लद्दाख एक दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्र है, जहां के निवासियों को न्याय के लिए जम्मू या श्रीनगर जाना पड़ता था। इस विनियमन से हाई कोर्ट की पीठ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी। यह न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुलभ और कुशल बनाएगा। स्थानीय लोगों को कानूनी सहायता प्राप्त करने में आसानी होगी। यह कदम केंद्र सरकार की 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' नीति के अनुरूप है। यह लद्दाख में सुशासन और विकास को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

एस-400 की लोकेशन के लिए PAK ने लगाया था एड़ी-चोटी का जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के हवाई खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब, सेवानिवृत्त वायु मार्शल जीतेंद्र मिश्रा ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान इन एस-400 प्रणालियों का पता लगाने के लिए बेहद बेताब था। इसके लिए पाकिस्तान ने मई 2025 के दौरान भारत के भीतर जासूसों और स्लीपर सेल को सक्रिय कर दिया था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख जीतेंद्र मिश्रा थे। उन्होंने एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, बताया कि एस-400 प्रणालियों की बदौलत पाकिस्तान के लड़ाकू विमान भारतीय सीमा के 200 किलोमीटर के दायरे में भी नहीं आ सके। एयर मार्शल ने कहा, 'पाकिस्तानी यह पता लगाने के लिए बेताब थे कि ये एस-400 कहां हैं। उन्होंने हर मुमकिन तरीका अपनाया। उन्हें दूसरे देशों से सैटेलाइट से भी मदद मिल रही थी।' हालांकि मिश्रा ने उन देशों का नाम नहीं लिया, लेकिन सेना के एक अधिकारी ने पहले ही साफ किया था कि चीन अपने 'हर मौसम के साथी' पाकिस्तान को रियल-टाइम इंटेलिजेंस जानकारी दे रहा था। एयर मार्शल ने बताया, 'जब भी वे (पाकिस्तान) हवा में उड़ान भरते, एस-400 उन्हें मार गिराता। उनके लिए एस-400 सबसे बड़ा खतरा था। एस-400 की लोकेशन का पता लगाने के लिए उन्होंने भारत के अंदर जासूसों और स्लीपर सेल को भी एक्टिवेट किया।' भारत के सुदर्शन चक्र के नाम से मशहूर एस-400 एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है उन्नत रडार और अवरोधन क्षमताओं से लैस एस-400 दूर से ही हवाई खतरों को पहचान कर उन्हें मार गिरा सकती है। 2018 में, भारत और रूस ने पांच एस-400 प्रणालियों के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

राशि खन्ना ने इंडस्ट्री में अपने 13 साल के सफर पर कहा- काम करना हमेशा एक सौभाग्य जैसा लगा

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं। अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों

की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।

अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया।

वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है। राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

व्हाइट आउटफिट में रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर, एलिगेंस और ग्लैमर का दिखा परफेक्ट कॉम्बिनेशन

बॉलीवुड की खूबसूरत और स्टाइलिश अभिनेत्रियों में शुमार रकुल प्रीत सिंह अक्सर अपने फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ बेहद शानदार और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर उनके फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

व्हाइट कलर के इस रॉयल आउटफिट में रकुल सादगी और हॉटनेस का ऐसा तड़का लगा रही हैं कि सोशल मीडिया का पारा चढ़ गया है। तस्वीरों में रकुल प्रीत सिंह एक बेहद खूबसूरत ऑल-व्हाइट कोऑर्ड-सेट में नजर आ रही हैं।

उन्होंने फ्रंट-ओपन स्टाइल की क्रॉप जैकेट पहनी है, जिसकी फुल-स्लीव्स और मॉडर्न कट उन्हें एक बॉस-लेडी लुक दे रहे हैं। जैकेट पर लगा गोल्ड-टोन्ड स्टारफिश स्टाइल ब्रोच पूरे आउटफिट का मुख्य आकर्षण है, जो प्लेन व्हाइट लुक को तुरंत लग्जरी टच दे रहा है।

इसके साथ रकुल ने हाई-वेस्टेड, फ्लोर-लेंथ पेंसिल स्कर्ट पेयर की है, जो उनकी परफेक्ट फिगर और बॉडी कर्व्स को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रही है।

रकुल ने अपने इस एलिगेंट लुक को बैलेंस करने के लिए मेकअप और एसेसरीज को बेहद सटल रखा है। उन्होंने अपने बालों को मिडिल-पार्टेड रखकर सॉफ्ट वेवी स्टाइल दिया है। बालों पर हाइलाइट्स उनके ऑल-व्हाइट लुक को और उभरा हुआ बना रहे हैं।

न्यूड लिपस्टिक, सॉफ्ट स्मोकी आइज और फ्लॉलेस बेस के साथ उनका मिनिमल ग्लोइंग मेकअप रकुल के चेहरे के ग्लो को बढ़ा रहा है। कानों में स्टेटमेंट गोल्डन इयररिंग्स और उंगलियों में मिनिमल रिंग्स उनके इस लुक को कंप्लीट करते हैं।

तस्वीरों में रकुल कभी शीशे के सहारे खड़े होकर तो कभी ईंटों की वॉल के आगे कॉन्फिडेंस के साथ पोज़ देती नजर आ रही हैं। उनके सिडक्टिव और एटीट्यूड-भरे पोज़ ने पूरे फोटोशूट में एक अलग जान फूंक दी है।

रकुल प्रीत सिंह का यह लेटेस्ट अवतार फैशन लवर्स के लिए एक परफेक्ट स्टाइल इंस्पिरेशन है। अगर आप भी किसी इवेंट में एलिगेंट और ग्लैमरस दिखना चाहती हैं, तो रकुल का यह व्हाइट मोनोक्रोम लुक ट्राई कर सकती हैं!

दायरा के नए पोस्टर में दिखा सस्पेंस का खेल, आमने-सामने दिखेंगे करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन, तय हुई ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड की प्रमुख अभिनेत्री करीना कपूर खान और लोकप्रिय अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की आगामी क्राइम थ्रिलर फिल्म दायरा का नया पोस्टर सामने आया है। इस नए विजुअल ने फिल्म की सस्पेंस से भरी दुनिया की एक गहरी झलक पेश की है। निर्देशक मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी यह फिल्म अपनी मुख्य कहानी के रहस्य को छिपाकर रखते हुए दोनों मुख्य अभिनेताओं के बीच के पेचीदा संबंधों की ओर इशारा करती है।

जारी किए गए पोस्टर में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन एक-दूसरे से विपरीत दिशा में पीठ सटाकर खड़े दिखाई दे रहे हैं। दोनों के बीच पुलिस की येलो इन्वेस्टिगेशन टेप की परतें लगी हुई हैं, जो किसी अपराध की ओर सीधा इशारा करती हैं। इसके अलावा पृष्ठभूमि में एक अज्ञात और धुंधला चेहरा भी नजर आ रहा है, जो पोस्टर के सस्पेंस को और गहरा बनाता है। दोनों अभिनेताओं का यह रुख दिखाता है कि उनके किरदार शायद किसी एक ही आपराधिक घटना को अपने-अपने अलग नजरिए से देख रहे हैं।

यह पोस्टर कहानी का खुलासा किए बिना ही दर्शकों के मन में कई सवाल छोड़ जाता है। पुलिस टेप, ओझल चेहरा और मुख्य पात्रों के बीच की दूरी यह सोचने पर मजबूर करती है कि इन दोनों की जिंदगियां किस तरह एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं और कैसे यह जांच आगे बढ़ेगी। फिल्म का ट्रेलर 31 अगस्त को रिलीज होगा, जिससे फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में और जानकारी सामने आएगी।

फिल्म दायरा के माध्यम से करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन की जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ दिखाई देने वाली है। दोनों ही मंझे हुए कलाकारों को एक थ्रिलर ड्रामा में आमने-सामने देखना दर्शकों के लिए एक अलग अनुभव होगा। इस प्रोजेक्ट के साथ निर्देशक मेघना गुलजार अपनी पुरानी प्रोडक्शन टीम के साथ वापस लौटी हैं, जिनके साथ वे पहले भी कई बेहतरीन और विषय-प्रधान फिल्में बना चुकी हैं।

यह क्राइम थ्रिलर सच्ची घटनाओं से प्रेरित होकर लिखी गई है, जिसकी पटकथा लेखन में मेघना गुलजार के साथ अन्य अनुभवी सह-लेखकों का योगदान रहा है। दायरा 18 सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज के लिए निर्धारित है। जल्द ही पेश किए जाने वाले आधिकारिक ट्रेलर से दर्शकों को इस उलझी हुई क्राइम स्टोरी की परतें समझने का मौका मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com